वर्ष-3, अंक-36
इन्दौर, शनिवार
5 अप्रैल 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761
DAVP 133088/20/02/2020

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'

मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

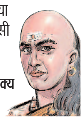

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

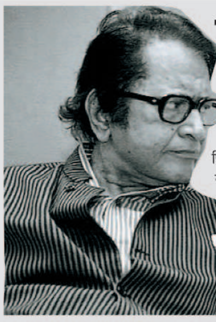

देश से प्यार करते-करते आखिरकार टूट गई जिंदगी की लड़ी

अभिनेता मनोज कुमार नहीं रहे

मुंबई (एजेंसी)। वो दिग्गज अभिनेता जिसने फिल्मों को एक नई दिशा दी। देश प्रेम इतना कि लगभग हर फिल्म में इसकी झलक दिखाई दी। फिल्म क्रांति जब आई तो पूरे देश में छा गई। इसका एक गाना आज भी लोगों की जुबान पर है। जिंदगी की न टूटे लड़ी प्यार करले घड़ी दो घड़ी। ऐसा ही प्यार अपने देश से करते करते अंततः अभिनेता मनोज कुमार ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। रीदेशप्रेम पर आधारित फिल्में बनाने वाले बॉलीबुड के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हे भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता था। दिग्गज एक्टर के निधन से इंडस्ट्री में शोक की लहर है।मनोज कुमार को 'भारत कुमार'के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मनोज कुमार कई दिनों से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। वहीं, शुक्रवार सुबह उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। मनोज कुमार के निधन की खबर सामने आने के बाद से स्टार्स और फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मनोज कुमार एक्टिंग के साथ शानदार डायरेक्शन के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने देशभक्ति पर बनने वाली कई फिल्मों में न सिर्फ एक्टिंग की बल्कि इन फिल्मों को डायरेक्ट भी किया था। फिल्मों की बात करें तो मनोज को उनकी शहीद, उपकार, पूरब और पश्चिम, और रोटी कपड़ा और मकान, दस नंबरी और क्रांति के लिए जाना जाता है। यही नहीं, भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए मनोज कुमार को 1992 में पद्मश्री और 2015 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

असली नाम हरिकृष्ण गिरी गोस्वामी

बता दें कि 24 जुलाई 1937 को जन्में मनोज कुमार का असली नाम हरिकृष्ण गिरी गोस्वामी है। फिल्मों में आने के बाद उन्होंने अपना नाम मनोज कुमार रखा। मनोज कुमार को उनकी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाता था। इसी वजह से उन्हें बॉलीवुड का भारत कुमार कहा जाता था।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

अभिनेता मनोज कुमार के निधन से पूरे भारतवर्ष में शोक की लहर है। फिल्म जगत में सन्नाटा पसर गया है। भारतीय अभिनेता और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार के निधन पर फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने कहा, दिग्गज दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता, हमारी प्रेरणा और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के शेर, मनोज कुमार जी अब नहीं रहे। यह इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ी क्षति है और पूरी इंडस्ट्री उन्हें याद करेगी।

वक्फ बिल राज्यसभा से 12 घंटे चर्चा के बाद पास

मोदी बोले- यह बड़ा सुधार, ट्रांसपेरेंसी बढ़ाएगा; कांग्रेस-DMK विरोध में सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल गुरुवार देर रात को 12 घंटे से ज्यादा लंबी की चर्चा के बाद राज्यसभा से भी पास हो गया। बिल के पक्ष में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े। इससे पहले बुधवार को लोकसभा में यह बिल 12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। अब यह बिल राष्ट्रपति के पास जाएगा। उनकी स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ संशोधन बिल के पास होने को एक बड़ा सुधार बताया। उन्होंने शुक्रवार सुबह ङ्ग पर लिखा कि यह कानून ट्रांसपेरेंसी बढ़ाएगा और गरीब-पसमांदा मुस्लिमों के अधिकारों की रक्षा करेगा। वक्फ संपत्तियों में सालों से गड़बड़ी हो रही थी, जिससे खासतौर पर मुस्लिम महिलाओं और गरीबों को नुकसान हुआ। यह नया कानून इस समस्या को दूर करेगा। इससे पहले बिल पर चर्चा के दौरान बीजू जनता दल (BJD) ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी नहीं किया था। पार्टी ने कहा था- सांसद अपनी अंतरात्मा की सुनें और वक्फ बिल पर फैसला लें। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने चर्चा के दौरान कहा- वक्फ ने एक बार ताजमहल पर भी दावा कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। इधर, विपक्ष वक्फ संशोधन बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बाद अब कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने यह जानकारी देते हुए × पर लिखा- संविधान की रक्षा के लिए हर मंच पर आवाज उठाते रहेंगे। वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद आज पहला जुमा है। यूपी के कई शहरों में तनाव के मद्देनजर फ्लैग मार्च निकाला गया। दिल्ली, मुंबई सहित देश के दूसरे शहरों में भी पुलिस हाई अलर्ट पर हैं।

एक साथ जलीं 8 चिताएं, बेटी ने दी मुखाग्नि

खंडवा में कुएं में जहरीली गैस से हुई थी मौत; एक को बचाने में गई 7 की जान

खंडवा (निप्र)। खंडवा के कोंडावत गांव में शुक्रवार सुबह एक साथ 8 चिताएं जलीं तो मुक्तिधाम में मौजूद लोग अपने आंसू नहीं रोक सके। पिता को मुखाग्नि देने वाली बेटी का चेहरा देखकर सभी गमगीन हो गए।

कोंडावत गांव के एक कुएं में जहरीली से दम घुटने के कारण गुरुवार को 8 लोगों की मौत हो गई थी। करीब 3 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव कुएं से बाहर निकाले जा सके। सभी 8 शवों को जिला अस्पताल ले जाया गया। रात 12 बजे तक डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमॉर्टम किया। शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे सभी शवों को अलग-अलग वाहनों से गांव लाया गया। यहां अंतिम श्रद्धांजलि के बाद मुक्तिधाम ले जाया गया। अंतिम संस्कार में आसपास के गांवों के लोग भी शामिल हुए। प्रशासन ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। एसडीएम बजरंग बहादुर ने कहा कि कुएं को तोड़कर मुरुम से भरा जाएगा।

कुएं में सफाई करने उतरा था अर्जुन

गुरुवार शाम छैगांवमाखन ग्राम पंचायत के कोंडावत गांव में गणगौर विसर्जन के लिए अर्जुन पटेल सफाई करने कुएं में उतरा था। वह जहरीली गैस के कारण बेसुध होकर कुएं में जमा दलदल में डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक 7 और लोग कुएं में उतरे। ये सब भी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से डूब गए और इनकी जान चली गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 931 अंक नीचे आया

निफ़्टी भी 345 अंक टूटा, निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा निवेशकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के भारत सहित 180 देशों पर टैरिफ लगाने के बाद संभावित ट्रेड वॉर की आशंकाओं को देखते हुए सतर्कता बरती। जिससे भी बाजार नीचे आया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 930.67 अंक करीब 1.22 फीसदी नीचे आकर 75,364.69 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 345.65 अंक तकरीबन 1.49 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ 22,904.45 पर बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी मेटल, ऑटो, आईटी और फार्मा शेयरों में 2.17 प्रतिशत तक की गिरावट रही। बैंक और वित्तीय शेयरों में हालांकि बढ़त रही। आज बाजार में गिरावट से निवेशकों को काफी नुकसान हुआ है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर घटकर 4,03,83,671 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं यह गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद 414,16,218 करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों के कुल मिलाकर 10,32,547 करोड़ रुपये डूब गये। इससे पहले गुरुवार को भी बाजार में गिरावट रही थी। आईटी इंडेक्स में गिरावट के चलते बाजार नीचे आया था। हालांकि, फार्मा और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार में निचले स्तरों से रिकवरी हुई थी।

महाकुंभ गर्ल के निर्देशक पर लगा रेप का आरोप झूठा!

महिला ने सनोज के खिलाफ रेप का केस लिया वापस

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्देशक सनोज मिश्रा के ऊपर आरोप लगने के बाद हलचल मची हुई है। हाल ही में एक महिला ने लगाया था बलात्कार का आरोप लगाना, लेकिन अब उसने रेप के आरोप को झूठा बताते हुए अपना केस वापस ले लिया है। इस मामले में गहराई से जांच की जा रही है। जैसा कि वीडियो में महिला ने बताया, उसने सनोज मिश्रा के साथ काम करते हुए उनकी साजिश के प्रभाव में आकर एक झूठा केस दर्ज करा दिया था। लेकिन जब उसे हकीकत का पता चला, तो उसने अपना केस वापस लेने के फैसला किया। इस खुलासे के साथ ही महिला ने अन्य नाम भी साझा किए हैं, जिन्होंने उसे धमकाया और परेशान किया था। इस मामले में जाँच की जा रही है और सच्चाई की तलाश में कदम बढ़ा जा रहा है। सनोज मिश्रा के खिलाफ लगे आरोप के बाद यह घटना दर्शकों में चौंकाने वाली है।

केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से होगी शुरू

रुद्रप्रयाग । विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से शुरू होगी। इसके पहले जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें यात्रा की तैयारियों में जुट गई हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि सड़क मार्ग से लेकर केदारनाथ के पैदल रास्तों को तेजी से ठीक किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें पैदल मार्गों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने में लगी हुई हैं। पिछले साल आई आपदा से टूटे रास्तों की मरम्मत हो रही है। डॉ. खाती ने बताया, हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है।

पटरी पर उतरी रेल मिलिंग मशीन, रेलवे ट्रैक को चिकना बनाए रखेगी

नई दिल्ली । राजधानी, दुरंतो या शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनों के साथ ही अब सामान्य मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में चैन की नींद आएगी। लंबे सफर के बाद भी थकावट महसूस नहीं होगी। ट्रेनों की यात्रा लग्जरी कार जैसी होगी। इसके लिए पटरी पर रेल मिलिंग मशीन उतारी गई है। अत्याधुनिक मशीन से न केवल रेलवे ट्रैक को चिकना बनाए रखने में मदद मदद मिलेगी, बल्कि उसकी मजबूती भी बढ़ेगी। भारतीय रेल की इकलौती मशीन धनबाद रेल मंडल को दी गई है। रेल मिलिंग मशीन ने काम करना शुरू कर दिया है। 18 फरवरी से 31 मार्च के दौरान अलग-अलग रेलखंडों में 11.3 ट्रैक किमी पटरी को ठीक किया जा चुका है।

ट्रंप के टैरिफ से हो जाएगा कोरोना जैसा हाल, अमेरिका में मंदी की आशंका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार से दुनियाभर में हाहाकार है। इससे खुद अमेरिकी बाजार को तगड़ा झटका लगा है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीति से एक बार फिर अमेरिका में मंदी की आशंका गहरा गई है।

अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी बाजार का कोरोना काल वाला हाल हो गया। देखते ही देखते 2.4 ट्रिलियन डॉलर यानी 20,47,36,56,00,00,000 रुपए स्वाहा हो गए। दरअसल, आयात किए गए सामानों पर लगाए गए 10त्न के नए टैरिफ और दर्जनों देशों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ से व्यापारी घबरा गए हैं। ट्रंप का कहना है कि इन देशों में व्यापार बाधाएं हैं। निवेशकों को डर है कि व्यापार को लेकर पूरी तरह से छिड़ा विवाद दुनिया की अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट का कारण बन सकता है और महंगाई को बढ़ा सकता है। अमेरिका ने ऐसे समय में नए टैरिफ लगाए हैं, जब दुनिया की अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी के बाद आई महंगाई से उभरी भी नहीं है और भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक टैरिफ के ऐलान के चलते अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में गुरुवार को 2020 के बाद से एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, डॉलर में भी गिरावट आई है। डाओ, एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट, सभी में 2020 के बाद से एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 2020 में जब कोविड-19 महामारी की शुरुआत हुई थी, तब भी वित्तीय बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। दरअसल, निवेशकों ने शेयर बाजारों से पैसा निकालकर बॉन्ड और येन जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगहों पर लगाना शुरू कर दिया है। एसएंडपी 500 कंपनियों का शेयर बाजार मूल्य 2.4 ट्रिलियन डॉलर घट गया। इसका मतलब है एसएंडपी 500 कंपनियों के शेयर से 2.4 ट्रिलियन डॉलर (20,47,36,56,00,00,000 रुपए) स्वाहा हो गए। यह 16 मार्च 2020 को कोरोना वायरस महामारी के बाद से एक दिन का सबसे बड़ा नुकसान है। वॉल स्ट्रीट पर नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में सबसे अधिक गिरावट रही। यह दिन के कारोबार में 5.97 प्रतिशत गिर गया जो मार्च 2020 के बाद से एक दिन में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है। एसएंडपी 500 और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में जून 2020 के बाद से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

न्यूज़ ब्रीफ

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 85.33 पर बंद हुआ। इससे पले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 34 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.96 पर पहुंच गया। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बाद डॉलर में व्यापक कमजोरी से रुपये सहित उभरते बाजारों की मुद्राओं को राहत मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.07 पर खुला। फिर बढ़त के साथ 84.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 34 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.30 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 फीसदी की गिरावट के साथ 101.64 पर रहा।

नेपाल के जंगल में लगी आग, चार की मौत

काठमांडु। नेपाल के जंगल में पिछले दो दिनों के भीतर लगी आग में चार लोगों की जलकर मौत हो गई तथा तीन अन्य झुलस गए। स्थानीय पुलिस ने बताया कि देश के पूर्वी हिस्से में पंचथर जिले की दो महिलाओं को अस्पताल ले जाते समय उनकी रास्ते में ही मौत हो गयी।

म्यांमार में भूकंप, मरने वालों में पांच चीनी नागरिक

यंगून (एजेंसी)। म्यामांर में शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों में चीन के पांच नागरिक शामिल हैं और 13 अन्य घायल हुए हैं। म्यांमार में चीनी दूतावास ने पुष्टि की है कि म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप में पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हुए हैं।

ड्रोन हमले में वरिष्ठ हमास नेता और उनके दो बेटे मारे गए

बेरूत, (एजेंसी)। दक्षिणी लेबनान के सिडोन शहर में शुक्रवार को एक अपार्टमेंट को निशाना बनाकर किए गए इजरायली ड्रोन हमले में हमास के वरिष्ठ अधिकारी हसन फरहत और उनके दो बेटों की मौत हो गई। लेबनान के सुरक्षा सूत्र और लेबनान के अल जदीद टीवी चैनल ने यह जानकारी दी।

सोनिया के बयान पर लोक सभा में हंगामा

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक को मनमाने तरीके से पारित कराये जाने के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुये लोक सभा में शुक्रवार को उसकी निंदा की गयी और इस पर विपक्ष के हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दी गयी।

सुविचार

साधारण दिखने वाले लोग ही दुनिया के सबसे अच्छे लोग साबित होते हैं।

निर्मल कुमार दे
जमशेदपुर

संपादकीय

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फार्मूला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है। ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनियां के अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जय हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी।

कहानी

उफ्फ यह ज़िंदगी

रात का धुंधलका धीरे-धीरे पाँव पसार रहा था। सन्नाटा अपने घिनौने पंख फ़ैला कर हल्की सी चहल-पहल को समेत रहा था। वह रेल की पटरी के साथ धीर-धीर चल रहा था। रेल कि पटरी दूर तक समांतर बाहें फैलाए चली गई कुछ दूर पेड़ों पर पक्षियों का कलरव सुनाई दे रहा था, मानों सभी एक ही सुर में कह रहे हों।

विवशता और अभाव में जीना भी कोई जीना है आत्महत्या के समान है तुम्हारा मर जाना ही अच्छा है। उसे लगा कि पक्षियों कि भी एक भाषा होती है। यह भाषा तभी समझ में आती है जब कोई अंतर्मन से समझने का यत्न करे उसे लगा कि वह उनकी भाषा समझने लगा है। वे सभी एक सुर में उसे मरने के लिए कह रहे हैं। उसका मन और अशांत होता चल गया। मन उबल रहा था, उसके नथुने फूलने लगे। मुट्ठियाँ कस गई मन में घृणा से भर गया। यह संसार है जिसे सभ्य कहा जाता है। यह सभ्य नहीं, वहशी है, करूर है। शराफत का मुखौटा ओढ़ने वाला चार सौ बीस रिश्तों में भी स्वार्थ छुपा हुआ है। कितना सगे-संबंधी हैं उसके, सब के सब स्वार्थी। आपके चार पैसे हैं तो सब साथ हैं।

पिछले छः माह से वह बेकार घूम रहा था। मंदी ने और ऐ आई ने उसकी नौकरी छीन ली बहुत भागदौड़ की, लेकिन कोई ढंग की नौकरी नहीं मिली। चाचा जी एक बड़ी पोस्ट पर है। उन से विनती की तो यह कह कर टरका दिया कि किसी बड़ी कंपनी में या सरकारी विभाग में अप्लाइ करो तो बताना छोटी मोटी नौकरी में क्या रखा है पिता जी भी उसके पास गए और और बताया लेकिन परिणाम शून्य एक बार तो उसका

मन किया कि चाचा जी को खरी खरी सुनाए कि छोटी मोटी नौकरी तो लगवाते नहीं, बड़ी क्या लगवाएंगें । संस्कारों से बंधा होने के कारण कुछ न कह सका मन मसोस कर रह गया। कैसी विडंबना है कि न चाहते हुए आदमी अपनी ही नज़रों में गिर जाता है। गिरना तो अलग बात है, गरीब तो अपनी मौत से पहले ही मर जाता है, फिर भी जीवित रहता है अपनी जिंदा लाश उठाए हुए। वह भी घिसता रहा यही सोच कर कि शायद कभी सवेरा हो जाए ये अंधेरे कहीं दुबक जाएं किसी कोने में, लेकिन अँधेरों का तो उसका बचपन से ही साथ है। बचपन तो बचपन है, कोई भी चीज लौट कर नहीं आती। बचपन के यादें उसके मस्तक में दुर्लभ वस्तु की तरह संग्रहीत हैं। याद है उसे बचपन में दूध के लिए रोते हुए, खिलौनों के लिए तरसते हुए, स्कूल की फीस के लिए बेंच पर खड़े हो कर क्लास में हंसी का पात्र बनना। जवानी में कदम रखा तो कुछ अधिक नहीं बदला। अपनी मर्जी से कुछ खाया नहीं, पिया नहीं, ढंग के कपड़े नहीं पहने। कॉलेज टाइम जरूर कुछ अच्छा गुजरा। उसने देखा अपने छोटे भाई बहिनों को जमीन से गिरी चीज़ उठा कर खाते हुए। घर में कभी बीमारी भी आई तो माँ सरकारी अस्पतालों के चक्र काटती रही। डॉक्टर की चौखट पर तभी पाँव रखा जब कोई बीमारी गंभीर हो गई। उफ्फ यह ज़िंदगी । ज़िंदगी उसका जी किया कि वह जोर जोर से कहकहे लगाए ज़िंदगी है कहाँ? चारों ओर नजर दौड़ाओ और देखो कैसे भाग रहें हैं लोग. किसी के पास किसी के लिए समय ही नहीं। आदमी तो मन बहलाने को कहता है कि वह जी रहा है। जीना भी एक कला है। ईमानदारी तो नाम मात्र की रह गई है। ईमानदारी से धन नहीं बनता। किसी ईमानदार के पास जो थोड़ा बहुत बचता भी है किसी तरह जुगाड़ कर के, तो सरकार कई तरह से वसूल लेती है जैसे इंकम टैक्स ,जीएसटी आदि पैसा बनता है बे-इमानी से, चोर बाजारी से, टैक्स चोरी से, काला बाजारी से, धोखा देने से।

वह भी धोखा ही दे रहा है खुद को जीने का। क्या पाया उसने अब तक जी कर - लानतें, गालियां, दुतकारें, रुसवाईयां, जब कि पिता जी एक-एक पैसे के लिए पसीना बहाते रहे। जब से उसने होश संभाला, उसने पिता जी को व्यस्त ही पाया। सुबह चले जाते थे ट्यूशन पढ़ाने। वहीं से अपने ऑफिस चले जाते और शाम को चाय पी कर पार्ट टाइम जॉब पर। परिवार से बात करने का समय रात नौ बजे था। जीवन का बोझ ढोते-ढोते शरीर खोखला हो गया और एक दिन तबीयत अधिक खराब होने पर पता चला कि उन्हें पीलिया व टी बी हो गया है। शायद उन्हें पता हो, लेकिन उन्होंने कभी नहीं बताया हुआ यह के एक दिन उन्हें जोर की खांसी आई और साथ ही खून की कै हो गई। खांसी और बुखार तो पहली ही थे। केमिस्ट से कोई गोली ला कर ठीक हो जाते। फ्री हस्पताल में दिखा कर दवाईयां दी गईं, लेकिन कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। वे मरणासन्न हो गए। किसी प्राइवेट डॉक्टर को दिखाया तो उसने बताया कि बीमारी पुरानी हो गई है, दवाईयां लेते रहें। दवाईयां बहुत महंगी थीं। माँ ने गहने बेच कर दवाईयों का प्रबंध किया। पिता जी ने किसी भी तरह जीवन का बोझ ढोते हुए उसे बी टेक कंप्युटर साइंस में करवायी। दूसरे भाई-बहिनों को भी पढ़ाया परिवार में कभी शादी त्योहार आया तो भी किसी से पीछे कम ही रहे। अब परिवार की सारी आशा उसी पर टिकी थी। उसका पूरा प्रयास रहा कि कहीं कोई अच्छी नौकरी मिल जाए। अच्छी नौकरी के लिए भी चांदी का जूता नहीं, सोने का चाहिए। सोने का जूता उसके पास होता तो अच्छी नौकरी न सही, कोई छोटा मोटा बिजनेस ही कर लेता। कम से कम घर का गुजारा तो ठीक चलता। कोई सिफारिश की भी बड़ी तोप न थी। ले दे कर चाचा जी थे उन्हें सिर्फ अपना परिवार ही दिखता है। हमें तो अपनी बड़ी पोस्ट का रोब ही दिखाते थे। उसने साहस नहीं छोड़ा। रेलवे, बैंक, सारे सरकारी जॉब्स के लिए अप्लाइ करता रहा। कुछ टेस्ट भी क्लियर किए, लेकिन सिफारिश न होने के कारण बात नहीं बनी । धन उसके पास था नहीं। यह धन की ही माया है कि अपने, अपने न रहे धन है तो सब कुछ है। एक आध को छोड़ कर मित्र लोग भी धीरे कन्नी खिसका गए। धीरे धीरे सब छूट गए या छोड़ दिया ।

छूट ही गए जब वह नीचता की सारी सीमाएं लांघ गया। एक मित्र उसे अपने घर ले गया। वह चाय लेने गया तो वह मेज पड़ी उसकी पुस्तकें पलटने लगा। अचानक एक किताब से सौ सौ के दो नोट नीचे गिर गए। लालच ने उसकी मति भृष्ट के दी, उसने रुपये अपने जेब में रख लिये।

चाय पीने के बाद चलने लगा तो मित्र अपनी पुस्तक पलटने लगा। रुपये वहाँ होते तो मिलते। उसने मेरी ओर देखा तो मैंने शर्मिंदगी के साथ रुपये निकाल कर उसे दे दिए और उसके पैर पकड़ कर क्षमा मांगी और अनुरोध किया कि किसी को न बताए, लेकिन उसने सारी मित्र मंडली को मेरी करतूत बता दी। सब छूट गए। वह जीवित रहा लानत भरी ज़िंदगी जीने के लिए उसकी अंतरात्मा उसे धिक्कारती कि वह घर के लिए कुछ नहीं कर रहा। पिता जी मरणासन्न पड़े थे। नौकरी के लिए वह दर दर भटक रहा है, जिस बाप ने उसे कैसे भी पढ़ाया, वक्त पर वह कुछ नहीं कर रहा। उसका मर जाना ही अच्छा है

तभी उसने देखा की सिग्नल हरा हो गया है और दूर इंजन की लाइट नजर या रही थी. वह पटरी पर लेट गया और आँखें बंद कर लीं आँखों से आँसू बहने लगे। सारी बातें उसके मस्तक में चलचित्र की भांति चलने लगीं। इससे पहले की गाड़ी उसे रौंदती, किसी ने उसे जोर से खींच लिया गाड़ी धड़धड़ाती सिटी मारते हुए निकल गई । वह हका-बक्का चारों ओर देख ने लगा उसने देखा कि चार लोग उसे घेर कर खड़े हैं वह पसीने से भीगा असहाय सा पड़ा था। पुलिस के हवाले कर दो साले को, एक अन्य बोला मरने से तू तो छूट जाता, तेरे घर वालों का क्या होता, सोचा यह? वह घुटने के बल बैठ गया और सब से क्षमा मांगने लगा और फूटफूट कर रोने लगा। एक ने पकड़ कर उसे पाँव पर खड़ा किया। उस के घर का पता मालूम कर उसकी बाजू पकड़ कर चल पड़े। रास्ते में उसे जीवन की फ़िलासफ़ी, दुनियादारी की, उसकी जिम्मेवारी आदि समझाते रहे गली की नुक्कड़ पर पहुंचा तो कुछ लोग उसे विचित्र नज़रों से देख रहे थे उसे लगा की शायद उन्हें बात का पता चल गया है। एक बुजुर्ग ने उसके सिर पर हाथ फेरा। घर से थोड़ा पास आने पर उसे हर से रोने की आवाज़ें सुनायी देने लगी । उसे घबराहट हुई और वह दौड़ कर अंदर पहुंचा तो देखा कि । आँगन में माँ पिता जी सिर गोदी में रख कर रो रही थी और उसके भाई बहिन पिता जी के दोनों ओर रो रो कर चीख ही थे ।

चंद्र शेखर विकल,
19, लक्ष्मी एन्क्लैव,ढकोली, जीरकपुर,
जिला, मोहाली
फोन न 9888606699

मेट्रो चलने के इंतजार में ...

व्यंग्य
वक्रासन

इतने सालों हम मेट्रो ट्रेन की राह तक रहे है कि, मेट्रो आएगी तो इधर जाएंगे मेट्रो ट्रेन आएगी तो उधर जाएंगे और जल्दी से जल्दी अपने गंतव्य पर पहुंच जाएंगे।पर मेट्रो ट्रेन कि इंदौर में चलने की रफ्तार पता नहीं कहां इतनी धीमी पड़ गई है और मन है की बावरा रे ।जब से मेट्रो ट्रेन का सुना है कि इंदौर में चलने वाली वाली है तो मन है कि बस में ही नहीं रह रहा। यकीन जाने मेट्रो की गति से भी न जाने कितनी तेज गति से दौड़ रहा यह बावरा मन और नाना तरह की अपनी अटकलें लगा रहा।

लगाम कस ली फिर भी मन मुआ बस में नी आ रहा। जागते हुए भी हम सपने देखन लगे कि जब यह इंदौर की ज़मीन पर दौड़ेगी कभी ज़मीन के नीचे, कभी पुल के ऊपर तो कभी सतह पर और हमना न जाने कितने इंदौर के छोर को सरपट छु आएंगे। मतलब के हम वह सब मेट्रो ट्रेन मे बैठकर इंदौर के इस कोने से उसे कोने तक घुम आएंगे। इत्ते कई बरस हम जो 65 साल की उम्र में नहीं घूमे है जैसे सुपर कॉरिडोर 6,5,4, 3,2,और1 एक ही दिन में घूम लेवेंगे। वैसे हमने राजवाड़ा छोटा गणपति, बड़ा गणपति, एयरपोर्ट और सुपर कॉरिडोर एक दो देखे है पर मेट्रो मे बैठ कर देखने का मजा ही अलग होगा। तो भाई यह सोचकर मन बाग -बाग हो रहा है की मट्रो का तोहफा हमें जल्दी से मिले और हम भ्रमण पर चले।

मन तो अटकलें लगा रहा है भाई जिनको भी मेट्रो में भ्रमण करना है तो हो लेना अपुन के साथ। अपुन चलेंगे मेट्रो में भावर सला चौराहा, एम आर 10, आईएसबीटी, चंद्रगुप्त चौराहा, मेघदूत गार्डन , विजयनगर चौराहा और न जाने कितने चौराहे। बस एक बार साथ में घुमा देंगे, फिर घूमते रहना, पिकनिक मनाते रहना, रिश्तेदारों से मिल लेना। वैसे भी मोबाइल के कारण अब टेम कहां मिलता है मिलने - मिलाने का। अब अपुन के इंदौर में ट्रैफिक इतना हो गया है की कहीं आना - जाना भी दुश्वार हो गया है ऐसा ही लगता है ।और इसीलिए मन अटकलें लगा रहा है की आसानी से मेट्रो पकड़ो और चढ़ बैठो इसमें मिनटों में पहुंच जाओगे अपने गंतव्य पर। जेब पर टिकट भी भारी नहीं पड़ेगा और समय भी बच जाएगा।

मेरा मन तो अटकलें लगाने लगा कि पहले जाएंगे मालवी नगर चौराहा, शहिद भगत बगीचा, खजराना, बंगाली चौराहा, पत्रकार कॉलोनी और वहां से रेलवे स्टेशन। बस फिर वहां से घर पास हि में है पैदल-पैदल चले जायेंगे । तो हो जाइए तैयार ।÷मेट्रो रेल गाड़ी बुला रही है सीटी बजा रही है।÷ मेट्रो के चलते ही गति मलेगी और यह गति निश्चित ही हमारे विकास की गति को भी आगे बढ़ाएगी । पर बात सिर्फ इतनी है कि कब दौड़ेगी मेट्रो इंदौर में।

संध्या राणे

विकास की अनोखी उड़ान

व्यंग्य
अरण्यरोदन

हमारा देश विकास के पंख लगाकर इतनी तेज़ी से उड़ रहा है कि अब गुरुत्वाकर्षण भी बेबस नज़र आता है। सरकार कहती है कि हम पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं, और जनता इस बात से इतनी उत्साहित है कि अपने जेब में पड़े पांच रुपये के सिक्के को भी गर्व से घुमा रही है। गली-मोहल्लों में विकास की ऐसी धूम मची है कि हर कोने पर गड्ढों की गहराई नापने के लिए विशेषज्ञ बुलाए जा सकते हैं। सड़कों पर बने गड्ढे हमारी महान सभ्यता की गहराई को दर्शाते हैं, और जब बारिश होती है, तो ये गड्ढे जल-संरक्षण की अद्भुत मिसाल पेश करते हैं। विकास का यह स्तर देख कर, राहगीर खुशी के मारे छलांग लगाते हैं–हालांकि कभी-कभी छलांग सीधी अस्पताल में जाकर खत्म होती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमने अद्भुत प्रगति की है। अब किताबों की बजाय सोशल मीडिया पर फॉरवर्ड किए गए ज्ञान से ही छात्रों का भविष्य संवर रहा है। स्कूलों में टॉपर बनने का सीधा फॉर्मूला है–रट लो, अंकों की बारिश होगी। अगर कभी नंबर कम आ जाएं, तो रोते हुए वीडियो बना लो, इंटरनेट का जनसमर्थन मिल जाएगा। शिक्षा व्यवस्था का यह हाल है कि छात्रों को अब परीक्षा से ज्यादा, परीक्षा रद्द होने की उम्मीद रहती है। महंगाई पर भी सरकार की नज़र है, बल्कि इतनी नज़दीक से देख रही है कि वह खुद भी चौंक जाती है। पेट्रोल-डीजल के दाम इतने ऊँचे जा चुके हैं कि अब लोग गाड़ी की जगह बैलगाड़ी की ओर लौटने को मजबूर हैं। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं, क्योंकि सरकार के अनुसार, यह आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कदम है। सब्जियों के दाम ऐसे बढ़ गए हैं कि अब टमाटर खरीदना अमीरों की शान और मिडिल क्लास के लिए सपना बन चुका है। आलू-प्याज भी अब तिजोरी में रखने लायक हो गए हैं। दूध, दाल और खाने-पीने की बाकी चीज़ों के दाम ऐसे बढ़ रहे हैं जैसे कोई ओलंपिक दौड़ चल रही हो। नौकरी की स्थिति भी कमाल की है। सरकार नौकरी देने के बजाय युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही है। युवाओं के हाथों में डिग्रियाँ हैं, सपने हैं, पर नौकरी नहीं है। लेकिन कोई बात नहीं, सरकार कहती है कि पकौड़े तलो, स्टार्टअप करो, और डिजिटल इंडिया में ऑनलाइन चाय बेचो। अब तो हाल यह हो गया है कि पढ़े-लिखे इंजीनियर भी राशन की दुकान खोलने पर विचार कर रहे हैं। इंटरव्यू के सवाल भी अनोखे हो गए हैं– आपको नौकरी क्यों चाहिए? का जवाब देने में उम्मीदवारों को अब दर्शनशास्त्र का सहारा लेना पड़ता है। देश में चुनावी मौसम भी पूरे साल बना रहता है। जनता से बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और फिर उन्हें भूलने की कला में नेतागण निपुण हो चुके हैं। घोषणापत्र अब सिर्फ शोपीस बन चुके हैं, जिनका असली उपयोग दीवारों में कील ठोंकने के लिए किया जाता है। चुनावी रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए मुफ्त बिरयानी और नकद प्रोत्साहन जैसी योजनाएँ चलाई जाती हैं। चुनाव खत्म होते ही जनता फिर से अपने मुद्दों के साथ अकेली छूट जाती है। अब हम डिजिटल इंडिया की ओर भी बढ़ रहे हैं। हर काम ऑनलाइन हो रहा है, चाहे वो बैंकिंग हो, सरकारी सेवाएँ हों या फिर धोखाधड़ी। एक तरफ सरकार डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दे रही है, दूसरी तरफ साइबर अपराधी लोगों के खातों को खाली करने में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। तकनीक का ऐसा विकास हुआ है कि अब ओटीपी भी चोरों के पास पहले पहुँच जाता है और ग्राहक बाद में देखता रह जाता है। स्वास्थ्य सेवाओं की भी बात कर लें। सरकारी अस्पतालों में इलाज की गति इतनी धीमी है कि मरीज़ का दर्द खुद ही दर्दकिलर बन जाता है। डॉक्टर उपलब्ध नहीं, दवाइयाँ नदारद, और अगर कुछ उपलब्ध है तो बस लंबी-लंबी कतारें। निजी अस्पतालों में इलाज इतना महंगा है कि बिल देखकर मरीज़ की आधी बीमारी तो वैसे ही ठीक हो जाती है। बीमा कंपनियाँ भी ऐसी मददगार हैं कि क्लेम पास करवाने के चक्कर में मरीज़ की आत्मा तक क्लेम करने की स्थिति में आ जाती है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी अपनी मिसाल आप है। बसें और ट्रेनें ऐसे चलती हैं जैसे खुद को वीआईपी समझती हों–जब मन करे, तब आएँ, जब मन करे, तब जाएँ। मेट्रो में चढ़ने के लिए लोग इतनी भीड़ में घुसते हैं कि कभी-कभी स्टेशन पर पहुँचने के बाद भी शरीर के कुछ हिस्से पिछले स्टेशन पर ही छूट जाते हैं। ऑटो रिक्शा वालों की अपनी अलग दुनिया है–मीटर से नहीं, मूड से चलेंगे। आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याएँ तो अनगिनत हैं। बिजली कटौती इतनी आम हो चुकी है कि लोग इनवर्टर को भगवान की तरह पूजने लगे हैं। पानी की समस्या भी ऐसी है कि लोग अब बाल्टी भरने के लिए सूरज उगने से पहले ही तैयार रहते हैं। सड़क पर निकलो तो जाम में फँसना तय है, और अगर जाम न मिले तो समझो किसी बड़े नेता का काफिला गुजरने वाला है।

सरकारी दफ्तरों में काम करवाना भी एक साहसिक कार्य बन चुका है। एक फॉर्म जमा करवाने के लिए इतनी बार चक्कर लगाने पड़ते हैं कि लोग इसे मुफ्त का व्यायाम मानने लगे हैं। और अगर गलती से कोई काम समय पर हो जाए, तो लोग इसे किसी चमत्कार से कम नहीं समझते। और सबसे अनोखी बात तो यह है कि आम जनता हर हाल में खुश रहती है। चाहे सड़क पर ट्रैफिक जाम हो, बिजली कटौती हो, महंगाई आसमान छू रही हो–लोग एक प्याली चाय लेकर ठहाके लगाते हुए कहते हैं, चलो कोई नहीं, अपना देश महान है। यही जज़्बा हमें दुनिया से अलग बनाता है। कुल मिलाकर, हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब यह अलग बात है कि यह आगे बढ़ रहा है या पीछे गिर रहा है, इस पर विचार करने की ज़रूरत नहीं है। आखिरकार, विकास की यह अनोखी उड़ान है, जहाँ उड़ने वाले ही जानते हैं कि वे उड़ रहे हैं या गिर रहे हैं!

डॉ. सिद्धार्थ कुमार जौहरी

झूलेलाल जी की शोभा यात्रा का भव्य स्वागत

इंदौर। झूलेलाल जी की शोभा यात्रा का स्वागत पूज्य सिंधी महापंचायत इंदौर (रजिस्टर्ड) व् उनकी सहयोगी पंचायतों व् सेवा भावी संस्थाओं द्वारा किया गया। पूज्य सिंधी महापंचायत के अध्यक्ष मनोहर नागपाल, वरिष्ट उपाध्यक्ष्य लालचंद छाबरिया व् सलाहकार घनश्याम मालाणी व् कोषाअध्यक्ष नन्दलाल झामवाणी ने बताया की इस अवसर पर सिंधी महिला समिति, वाह पंचायत व् सिंधु परिषद् द्वारा प्रसाद वितरण किया गया।सिंधी एकता के नारे भी लगाए गए।इस बार भी सुंदर झाकियां निकाली गई।आयोलाल झूलेलाल के नारों के साथ वातावरण गुलजार हुआ

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर , रामचंद्र नगर से निकली भव्य प्रभात फेरी

इंदौर। दिगंबर जैन समाज की 20 दिवसीय प्रभात फेरी आज शुक्रवार को सुबह श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, रामचंद्र नगर से निकली व आसपास के क्षेत्रों में घूम कर पुनः वही पहुंची। समाज के अध्यक्ष श्री राजकुमार जी पाटोदी ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर निकलने वाली भव्य स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी बने मुकेश जी - श्रीमती चंदन बालाजी पाटोदी परिवार का सम्मान रामचंद्र नगर जैन समाज के अध्यक्ष श्री मनीष गदिया, प्रमोद पहाड़िया, विनोद गंगवाल श्रीमती शोभा जैन व अन्य पदाधिकारीयों ने किया । समाज के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि बैंड बाजों के साथ निकल रही इस प्रभात फेरी मैं समाज श्रेष्ठियों के साथ आज सोशल ग्रुप सम्यक दर्शन एवं जैनम ग्रुप के बहुत अधिक दंपति सदस्य चल रहे थे। वे बड़े भक्ति भाव से प्रभु जी के जय कारे लगाते हुए चल रहे थे, व महिलाएं भक्ति नृत्य करते हुए चल रही थी। रामचंद्र नगर मंदिर प्रांगण पर श्री मुकेश जी - चंदन बालाजी जी पाटोदी, राजकुमार जी पाटोदी, सुशील पांड्या, मनीष गदिया, राजमल पाटोदी ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात श्री महावीर भगवान जी के अभिषेक हुए। इस अवसर पर समाज श्रेष्ठि राजेंद्र सोनी, रितेश पाटनी, विजय कासलीवाल, भूपेंद्र जैन, दिलीप लुहाड़िया, देवेंद्र सोगानी, ऋषभ पाटनी, कैलाश अजमेरा मामा, पवन सिंघई, अजय बढ़जात्या, संदीप पापड़ी वाल, मनीष जैन सहित बहुत अधिक संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

शहर में खोलेंगे अहिल्या प्याऊ

इंदौर। देवी अहिल्या स्मारक प्रतिष्ठान द्वारा अपने जनोपयोगी कार्यों की श्रृंखला में विभिन्न स्कूलों में बच्चों को वेशभूषा, तपती गर्मी से राहगीरों को राहत पहुँचाने के लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर अहिल्या प्याऊ खोली जाएगी।

ट्रस्ट के सचिव अशोक डागा ने बतलाया कि इसी संकल्प के तहत आज सेवा भारती द्वारा संचालित संस्कार केंद्र, बस्ती चंदमारी कंपाउंड, स्कीम नंबर 71 में 28 बच्चों को वेशभूषा का वितरण किया। साथ ही गर्मी से राहत हेतु एक कूलर भी भेंट किया। ट्रस्ट के ट्रस्टी सुधीर देड़गे,रामस्वरूप मूंदड़ा व प्रकाश पारवानी ने बताया कि इसी प्रकार आने वाले दिनों में और भी स्कूलों में बच्चों की विभिन्न प्रकार से सहायता की जाएगी ।

रक्तदान किया

इंदौर (प्रेमनारायण वेद)- देवास निवासी गगन चौधरी द्वारा सनावद के तुलसीराम चौधरी के आपरेशन के लिये गोकुलदास हास्पिटल में रक्तदान किया।

उनकी उक्त मानव सेवा की सभी ने बहुत बहुत सराहना की।

कार्टून कोना.........

बघेरवाल समाज का स्नेह सम्मलेन एँव गौरव सम्म्मान समारोह संपन्न

इंदौर/देवेंद्र साहू। बघेरवाल समाज इंदौर का स्नेह सम्मेलन एवं बघेरवाल गौरव सम्मान समारोह में स्नेह मिलन के साथ चिकित्सा शिविर जिसका हमारे समाज के उपस्थित अधिकांश सदस्यों ने लाभ लिया।

सम्मान समारोह में हमारे शहर के लाडले सांसद शंकर लालवानी एवं भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, हमारे अपने बघेरवाल संघ के मुख्य संयोजक विमल मढ़िया, संघ के महामंत्री रोहित जैन, कोटा, श्रीमती मोना कोटिया महामंत्री कोटा प्रान्त, पदम खटोड़, भानपुरा, श्रीमती आशा ताथेड़िया, उज्जैन हमारे अतिथि बने इसमें हमने हमारे समाज के वरिष्ठ लालचंद साहब दोराया, प्रकाशचंद बागड़िया, पालिया, बघेरवाल समाज के उद्योगपति अजीत खटोड़, वापी, हमारे समाज का मान बढ़ाने वाले चातुर्मास पुण्यार्जक परिवार धर्मेंद्र, जयवंत, एवं महेंद्र, अंत में हमारे अपने बघेरवाल संघ के शिरोमणि संरक्षक विमलचंद चौधरी साहब का सम्मान किया गया।

इस बार की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि हमने एक डिजिटल काउंटर लगाया जिसमें हमारे समाजजनों के आधार कार्ड करेक्शन, समग्र आईडी बनवाना और करेक्शन और आयुष्मान कार्ड के लिए भी प्रक्रिया की गई।

अंत में इस कार्यक्रम की नींव बने हमारे विनोद सुरलाया (मामा), अंकित सेठिया, श्रीमती इतीजी सुनील ठग, श्रीमती नेहा अमित हरसौरा, दिव्या खटोड़, योगेश हरसौरा, मोहित चौधरी, रोहित चौधरी , नरेश जैन, निलेश चौधरी, संदीप धनोप्या, सिद्धार्थ, धनोत्या, रजत ठाई, अमूल बागड़िया इन सबको बहुत बहुत धन्यवाद

कार्यक्रम में जयप्रकाश हरसोरा, प्रेमकुमार दुगेरिया, राजेन्द्र चौधरी, प्रकाश बाबरिया, अरुण ठग, पवन मड़िया, प्रोफेसर राजेंद्र बाबरिया, त्रिलोक खटोड़, निर्मल हरसोरा, दिपक हरसोरा ,अजय सावला पालिया, पियूष खटोड़ पालिया की विशेष उपिस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नेहा हरसोरा, सुश्री दिव्या खटोड़ एँव मीनल दुगरिया ने किया अंत में नरेश सीए ने आभार व्यक्त किया बघेरवाल समाज के इस कार्यक्रम में मालवा प्रांत के मंत्री विनोद सुरलाया मामा ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कालका धाम चैत्र नवरात्रि महोत्सव...

अष्टमी नवमी पर 21000 चूड़ियों से सजेगा माँ काली का दरबार

इंदौर (नवीन मौर्य) । चैत्र नवरात्रि महोत्सव में अष्टमी नवमी के पावन अवसर पर विजयनगर चौराहा स्थित श्री ग्वाल भैरव कालका माता मंदिर में 21000 चूड़ियों से महामाई का दरबार सजाया जाएगा द्य इसमें विभिन्न रंगों की चूड़ियों का उपयोग किया जाएगा जो देवी के श्रृंगार में चार चाँद लगाएगा द्य हर साल लाखों भक्त देवी के दर्शन के लिए आते हैं। इस बार, 21,000 चूड़ियों से सजे दरबार को देखने के लिए भक्तों में उत्साह है।

चैत्र नवरात्रि महोत्सव में प्रतिदिन दिव्य श्रृंगार,महाआरती, महाप्रसादी व सप्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा महामाई की संगीतमय आराधना भी हो रही हे

किले के रूप में सजा मंदिर...

मंदिर प्रांगण को इस बार विशेष रूप से किले की आकृति में सजाया गया है, मंदिर के मुख्य पुजारी राहुल यादव ने बताया कि इस विशेष सजावट में हिंदुत्व के रक्षक, महान शौर्यवीर योद्धाओं की वीर गाथाओं का सजीव चित्रण किया गया है। श्रद्धालु यहां आकर इन वीर योद्धाओं की बलिदान गाथाओं एवं शौर्य की कहानियों से परिचित हो सकेंगे।

सवा लाख काली चालीसा पाठ-

सवा लाख काली चालीसा पाठ का आयोजन जनकल्याण एवं भक्तों की मनोकामना पूर्ति हेतु सवा लाख काली चालीसा पाठ का विशेष अनुष्ठान किया जा रहा है। भक्तगण मंदिर प्रांगण में बैठकर यथाशक्ति काली चालीसा पाठ कर सकते हैं।

मान्यता है कि काली चालीसा पाठ से भय, शत्रु, रोगों का नाश होता है एवं भक्तों को सुख-समृद्धि एवं विजय प्राप्त होती है।

शतचंडी महायज्ञ एवं अखंड दुर्गा सप्तशती पाठ-

शतचंडी महायज्ञ एवं अखंड दुर्गा सप्तशती पाठ महामाई के दरबार में परम पूज्य गुरुदेव श्री योगी पीर रामनाथ जी महाराज (भरतरी गुफा, उज्जैन) के सानिध्य में एवं आचार्य योगेन्द्र पाठक जी के तत्वावधान में 24 विद्वानों द्वारा अखंड संपुटित दुर्गा सप्तशती पाठ एवं शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

यह महायज्ञ विश्व कल्याण एवं भक्तों की समृद्धि के लिए संपन्न किया जाएगा।

इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव को बनाएंगे सफल

इंदौर। शुक्रवार दोपहर इंदौर प्रेस क्लब पहुंचे छात्र-छात्राओं ने यह संकल्प व्यक्त किया कि 7 से 9 अप्रैल तक इंदौर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव को सफल बनाएंगे। प्रेस क्लब पुस्तकालय में हुई बैठक में अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने इन छात्र-छात्राओं को 7, 8 और 9 अप्रैल को होने वाले इस प्रतिष्ठा प्रसंग की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि विभिन्न सत्रों में पत्रकारिता, फोटोग्राफी और साहित्य जगत से जुड़ी प्रमुख हस्तियां मार्गदर्शन देने आ रही हैं। छात्र-छात्राओं ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सभी सत्र हमारे लिए उपयोगी होंगे। बैठक में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की पत्रकारिता और जनसंचार अध्ययनशाला, सेज यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता विभाग और न्यू गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के छात्र-छात्राएं और कार्यकारिणी सदस्य विपिन नीमा, शैलेष पाठक, मुकेश तिवारी, कमलेश सेन, डॉ. अर्पण जैन, सुश्री ग्रीष्मा त्रिवेदी, आस्था तिवारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शहर के साहित्यिक, सांस्कृतिक, स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक भी इस मीडिया कॉन्क्लेव को लेकर हुई थी, जिसमें इसे सफल बनाने और हरसंभव सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया गया था।

डीएसपी की पोस्टिंग का अधिकार नहीं मिलेगा एसपी को

पुलिस मुख्यालय के प्रस्ताव को गृह विभाग ने वापस कर दिया

इंदौर। मध्य प्रदेश के जिलों में पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) की पोस्टिंग का अधिकार नहीं मिलेगा। पुलिस मुख्यालय द्वारा भेजे गए इस संबंध में प्रस्ताव को सरकार ने वापस लौटा दिया है। बता दें पीएचक्यू ने गृह विभाग को एसपी को जिले में डीएसपी और एसडीओपी के ट्रांसफर और पोस्टिंग का अधिकार देने का प्रस्ताव भेजा था।

इस प्रस्ताव में एसपी को कलेक्टरों के समान अधिकार देने की बात कही गई थी। कलेक्टरों को जिले में एसडीएम की पोस्टिंग तय करने का अधिकार होता है। उसी तर्ज पर एसपी को भी अपने अनुसार अधिकारियों की पोस्टिंग का अधिकार देने की मांग प्रस्ताव में की गई थी, ताकि वे अपनी टीम खुद तय कर सकें और अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार प्रस्ताव पर अब तक कोई निर्णय नहीं ले पा रही है। इस निर्णय से राजनीतिक हस्तक्षेप को बढ़ावा मिलेगा। इस तर्क के साथ सरकार अब प्रस्ताव पर अपनी सहमति नहीं है। सरकार का मानना है कि अभी पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर एवं पोस्टिंग की प्रक्रिया पूर्ववत सरकारी स्तर पर ही जारी रहनी चाहिए। हालांकि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि अभी प्रस्ताव विचाराधीन है।

अधिकारियों में सामने आए मतभेद

इस प्रस्ताव को लेकर राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के बीच मतभेद सामने आए थे। इसको लेकर सोशल मीडिया पर अधिकारियों ने अपना पक्ष रखते हुए इसका विरोध किया था। इसमें अधिकतर अधिकारियों ने राजनीतिक हस्तक्षेप बढने् का तर्क दिया था।

झलकारी बाई के बलिदान दिवस पर कृतज्ञ कोली कोरी समाज ने किया स्मरण

इन्दौर। सन 1830 में कोली/कोरी समाज के एक साधारण जतारिया परिवार में जन्म लिया और मात्र 7 वर्ष की आयु में मां जमुना का साया गंगा के सिर से उठ गया, फिर पिता सदोवा की देखरेख में पली-बढ़ी वीरांगना झलकारी ने मात्र 12 वर्ष की आयु में खूंखार चीते का वध किया।

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से कंधे से कंधा मिलाकर फिरंगी अंग्रेजों दुश्मनों से लोहा लिया, ऐसी महान क्रांतिकारी वीर योद्धा वीरांगना झलकारी बाई के 169 वें बलिदान दिवस के अवसर पर कोली/कोरी समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय कोली समाज (कश्यप ग्रुप) एवं अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ द्वारा पाटनीपुरा नेहरु नगर स्थित झलकारी द्वार पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कोली समाज के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश महावर कोली, कोली समाज के पूर्व राष्ट्रीय सदस्य आर.सी. भस्नेईया, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश वर्मा दानिश, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रहलाद टाटवाल, महासंघ के मालवा प्रांताध्यक्ष ईश्वर लाल सनोटिया, सम्भागीय अध्यक्ष ओमप्रकाश धीमान, आदर्श वस्त्रकार कोरी समाज के अध्यक्ष अशोक वर्मा, शाक्यवार कोरी समाज अध्यक्ष देवी शंकर कोटिया, कोरी धीमान 11 पंच कमेटी के सचिव नवीन चौधरी, देवीप्रसाद वर्मा, कैलाश सम्भरवाल, महेश वर्मा, रमेश चिरगैया, हीरालाल वर्मा, गजेन्द्र महावर, विजय धामनिया, राजेश गोलु वर्मा, हंसराज वर्मा, सुरेश वर्मा आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली ने वीरांगना झलकारी बाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोली/कोरी समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है, कोली कुल में राजा मांधाता, भगवान श्रीराम, महाकारुणिक तथागत भगवान गौतम बुद्ध, संत कबीर साहेब जैसे महामानव एवं नानाजी मालसुरे, भामा शाह, सांवलिया सोढ़ एवं वीरांगना झलकारी बाई जैसी वीर योद्धा ने जन्म लेकर देश, राष्ट्र व समाज का गौरव बढ़ाया आज उनका बलिदान दिवस मनाकर हम अपने आप को धन्य महसूस कर रहे हैं।

'सोया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2025' के पहले दिन पोषण, कृषि और उद्यमिता को लेकर हुई व्यापक चर्चा हुई

इंदौर। आज जब विश्व स्वास्थ्य संकट, पोषण असंतुलन, जलवायु परिवर्तन और खाद्य असुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में टिकाऊ और सुलभ प्रोटीन स्रोतों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

इन्हीं मुद्दों पर केंद्रित 'सोया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2025' का आयोजन सोया फूड प्रमोशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा 4 और 5 अप्रैल तक दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में इंदौर के मैरियट होटल में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन एसएफपीडब्लूए के चेयरमैन डॉ. सुरेश इतापू, यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल के रीजनल डायरेक्टर श्री केविन रोएप्के, एसएफपीडब्लूए के मुख्य संरक्षक गिरीश मतलानी और पतंजलि फूड्स के सीईओ संजीव अस्थाना द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। पहले दिन की चर्चाओं में यह बात सामने आई कि भारत में 85त्न से अधिक आबादी में प्रोटीन की कमी है, जो शरीर के विकास और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालती है। विशेष बात यह रही कि 80त्न मांसाहारी भारतीयों में भी प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा नहीं पाई गई। इन तथ्यों की पृष्ठभूमि में, सोया को एक सुलभ, सस्ता और अत्यंत पोषक प्लांट-बेस्ड प्रोटीन के रूप में प्रस्तुत किया गया। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि सोया न केवल पोषण की समस्या का समाधान प्रदान करता है, बल्कि यह पारंपरिक पशु-आधारित प्रोटीन स्रोतों की तुलना में कहीं अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल है। सोया की खेती में जल, भूमि और ऊर्जा की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और यह पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाता है। एसएफपीडब्लूए के चेयरमैन डॉ. सुरेश इतापू ने कहा, ÷भारत में 12 करोड़ से अधिक लोग डायबिटीज़ से पीड़ित हैं। सोया ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में उपयोगी है, साथ ही यह हृदय रोगों के जोखिम को भी कम करता है। यह एक बहुउपयोगी, किफायती और प्रभावी प्रोटीन स्रोत है, जिसे आहार में विविध रूपों में शामिल किया जा सकता है। पहले दिन की चर्चाओं में मुख्य रूप से भारत में प्रोटीन की कमी, सोया की पोषण में भूमिका, पर्यावरणीय दृष्टिकोण से टिकाऊ कृषि मॉडल, सोया आधारित उद्योगों के लिए निवेश अवसर, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के ज़रिए सोया प्रसंस्करण में सुधार, और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों के लिए लाभकारी फसल के रूप में सोया को प्रोत्साहित करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल के रीजनल डायरेक्टर श्री केविन रोएप्के ने अपने संबोधन में कहा, सोया आज दुनिया की पोषण और खाद्य चुनौतियों का एक वैज्ञानिक समाधान बनकर उभर रहा है। एसएफपीडब्लूए के कोवेनर राज कपूर ने कहा, सोया प्रोटीन न केवल स्वास्थ्य के लिए वरदान है, बल्कि भारतीय फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के लिए यह एक आर्थिक अवसर भी है। हमें सोया को 'फ्यूचर फूड' के रूप में अपनाने की आवश्यकता है।

भारतीय जनता पार्टी ने आयोजित की प्रेसवार्ता

बड़वानी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्थानीय भाजपा कार्यालय पर शुक्रवार को प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिला मीडिया प्रभारी सुनील भावसार ने बताया कि प्रेसवार्ता को जिलाध्यक्ष अजय यादव एवं पार्टी स्थापना दिवस प्रभारी विक्रम चौहान ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर संबोधित किया। जिलाध्यक्ष अजय यादव ने बताया कि 6 अप्रैल को पार्टी स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती को बड़े स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से करना है। 6 से 14 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के एक दिन पूर्व जिले भर में बाबा साहब की

प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की जाएगी व 14 अप्रैल को बाबा साहब की प्रतिमा या चित्र पर माल्यार्पण कर मिठाई वितरित कर उनकी जयंती को हर्षोउल्लास से जाएगी। संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक रूप से पाठ किया जाएगा तथा 15 से 25 अप्रैल के बीच मे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जिला स्तरीय संगोष्ठी आयोजित करना तथा कांग्रेस द्वारा ने भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर को उनके जीवन के विभिन्न पड़ावों अपमानित किया और भाजपा ने उन्हें जो सम्मान दिया उस पर चर्चा की जाएगी। इसी तरह से स्थापना दिवस के प्रभारी विक्रम चौहान ने कहा कि 6 अप्रैल को भाजपा स्थापना दिवस को बूथ स्तर पर मनाएगी। स्थापना दिवस पर जिले के सभी भाजपा कार्यालयों पर प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर भाजपा का झंडा फहराएंगे तथा 6 या 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक सदस्यों को एकत्रित किया जाएगा। 8 एवं 9 अप्रैल को विधानसभा या मंडल स्तर पर सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन करना तथा 7 से 13 अप्रैल तक गांव व बस्ती चलो अभियान के तहत भाजपा के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि कम से कम 8 घण्टे का समय देकर ग्रामीणों के बीच केंद्र की नरेंद्र मोदी व प्रदेश की डॉ मोहन यादव की सरकार द्वारा किए गए कार्यों को बताना तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राहियों से मिलना तथा मंदिर, अस्पताल या स्कूल में स्वच्छता अभियान चलाना, जल स्त्रोतों की सफाई, भाजपा का झंडा लेकर गली मोहल्लों में रैली निकालना, चौपाल लगाना आदि कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अमित शर्मा, ठीकरी जनपद अध्यक्ष मनोहर अवास्या, जिला मीडिया प्रभारी सुनील भावसार, मंडल अध्यक्ष शुभम पांडे, कार्यालय मंत्री राजेन्द्र सोनी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शहर में आज निकलेगी साई बाबा की पालकी यात्रा

9 स्थानों के कलाकार देंगे प्रस्तुति, झांकियां होंगी आकर्षण का केंद्र

बड़वानी। शहर में आज सांई शनैश्वर मंदिर के तत्वावधान में सांई बाबा की शोभायात्रा निकाली जाएगी। पालकी यात्रा में 9 स्थानों के कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी जाएंगी। तीन ट्रॉलियों पर झांकी सजाई जाएगी, जो आकर्षण का केंद्र रहेंगी। 29वीं पालकी यात्रा मंगलवार दोपहर से यात्रा शुरू होगी। जो देर रात को मंदिर परिसर पहुंचेगी। पालकी यात्रा के मद्देनजर मंदिर समिति ने भंडारा स्थल और मंदिर स्थल का निरीक्षण किया और जायजा लिया। यात्रा शहर के पाटी नाका मार्ग स्थित गायत्री मंदिर से दोपहर 4 बजे प्रारंभ होगी। जो सावरिया सेठ मंदिर रानीपुरा, फ्टिवेल

चौराहा, जैन मंदिर, रणजीत चौक, एमजी रोड़, मोटीमाता चौक, कारंजा नाका होकर मंदिर पहुंचेगी। जहां भगवान की महाआरती कर प्रसादी वितरित की जाएगी। पालकी यात्रा के स्वागत के लिए रास्तेभर मंच लगाकर फूल बरसाए जाएंगे। धार्मिक सामाजिक संगठनों द्वारा सेवा स्टॉल लगाया जाएगा। पालकी यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर पुलिस जवान तैनात रहेंगे। पालकी के साथ भी पुलिस शामिल होगी। यातायात व्यवस्था को लेकर बैरिकेट लगाकर यातायात को रोका जाएगा। मंदिर निरीक्षण के दौरान साई पालकी यात्रा अध्यक्ष अमित जिंदल, उपाध्यक्ष विष्णु बनडे, मीडिया प्रभारी आदित्य शर्मा, श्याम गुप्ता, मनीष पुरोहित, अखिलेश पालके, संजय मिश्रा, बादल गिरासे सहित अन्य समिति सदस्य मौजूद रहे। सांई शनैश्वर सेवा संस्थान मंदिर समिति ने बताया कि 6 अप्रैल को प्रातरू मंदिर में हवन एवं अभिषेक के साथ भण्डारे का आयोजन किया जाएगा एवं साथ ही 7.30 महाभारती के साथ कार्यक्रम की समाप्ति होगी।

सहायक आयुक्त का शिक्षक संघ ने किया स्वागत

बडवानी। जिला जनजातीय कार्य विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर भोपाल के जेएस डामोर की पदस्थापना हुई। श्री डामोर ने गुरुवार शाम को पद भार ग्रहण किया। वहीं शुक्रवार को मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला बड़वानी के जिलाध्यक्ष अनिल जोशी और प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, सचिव संतोष मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंनडल ने सहायक आयुक्त से सौजन्य भेंट की। श्री डामोर ने पदाधिकारियों से परिचय लिया। चर्चा करते हुए कहा कि जिले में शिक्षकों से संबंधित कोई भी समस्या हो आप लोगों के माध्यम से संज्ञान में आने पर त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों द्वारा श्री डामोर का पुष्प हार से स्वागत किया गया। इस दौरान मनोज पाटिल, गणेश सोनी, आलोक जोशी, रघुवीर सोलंकी, मगन सिंह आर्य, घनश्याम अवासीया, मोहन शर्मा उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन होगा 9 अप्रैल तक

बड़वानी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है तथा 175 रूपए प्रति क्विंटल बोनस देगी। इस प्रकार कुल समर्थन मूल्य 2600 रूपए प्रति क्विंटल की दर से इस वर्ष गेहूं का उपार्जन किया जाएगा। समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय करने के लिए किसान को पंजीयन कराना अनिवार्य है। किसान पंजीयन के लिए जिले की 21 समितियों को केंद्र बनाया गया है।

इसके अतिरिक्त क्योस्क, एमपी ऑनलाईन तथा लोकसेवा केंद्रों से भी 9 अप्रैल तक किसान अपना पंजीयन करा सकते हैं। पूर्व में यह तिथि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई थी। जिन किसानों द्वारा अभी तक पंजीयन नहीं कराया गया है, वह अपने नजदीक के पंजीयन केंद्र पर पहुंचकर अनिवार्य रूप से पंजीयन कराएं, अन्यथा समर्थन मूल्य का लाभ नहीं मिलेगा।

जिला दण्डाधिकारी ने 1 व्यक्ति को किया जिला बदर

बड़वानी। जिला दण्डाधिकारी गुंचा सनोबर ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर 1 व्यक्ति को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिला बदर किया है। जिला बदर की अवधि में यह व्यक्ति राजस्व सीमा बड़वानी एवं उसके समीपवर्ती जिले धार, झाबुआ, अलिराजपुर, खरगोन, खण्डवा, बुरहानपुर, की राजस्व सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला दण्डाधिकारी ने निवासी खेतिया रोड़ निवाली के हिमांशु उर्फ बिट्टू पिता संतोष बेलदार को 3 माह के लिए जिला बदर किया है।

5 अप्रैल को इन क्षेत्रों की विद्युत बंद रहेगी

बड़वानी। 11 केव्ही आमल्यापानी फीडर पर लाईन मैंटेनेंस व पेड़ कटिंग का कार्य होने से शनिवार 5 अप्रैल को सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक विद्युत प्रदाय बंद रहेगी।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड के कनिष्ठ यंत्री शहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू हाउसिंग बोर्ड, डीआरपी लाईन, पानवाड़ी, दशहरा मैदान, लक्ष्मी टॉकिज के पास का क्षेत्र, चांदशाह मोहल्ला, भारूड़ मोहल्ला, राधाकृष्ण कॉलोनी, सतपुड़ा कॉलोनी, कृष्णा स्टेट, पूजा स्टेट, भवानी नगर, बोहरा काम्पलेक्स, चंचल चौराह, स्नेह नगर, बंधान रोड़, गुरूनानक नगर, गुरू शिवोम विहार, आकाश नगर, भगवान नगर, हाउसिंग कॉलोनी व आसपास के क्षेत्र में विद्युत प्रदाय बंद रहेगी। वहीं समय-सीमा घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों ने भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत किया विभिन्न शालाओं का निरीक्षण

बड़वानी। हर बच्चे में कुछ न कुछ विशेषताएं एवं प्रतिभाएं छुपी होती हैं, हर बच्चा अपने आप में विशेष है। जरूरत है तो आत्म विश्वास के साथ लक्ष्य अनुरूप कड़ा परिश्रम निरंतर करने की। लक्ष्य जितना बड़ा होगा, मेहनत भी उतनी ही अधिक करनी होगी। उक्त बातें कलेक्टर गुंचा सनोबर ने स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत शासकीय कन्या हाईस्कूल में बच्चों से प्रेरणादायक संवाद के दौरान कही।

कलेक्टर ने बच्चों से संवाद कर उनकी आकांक्षाओं, अपेक्षाओं, स्कूल के वातावरण एवं अनुभव के संबंध में जानकारी ली। बच्चों ने बैझिझक होकर अपने लक्ष्य के बारे में बताया एवं इसके लिए सुझाव भी मांगे। कलेक्टर द्वारा विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं को पाठ्यपुस्तक भी वितरित कर नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत की शुभकामनाएं दी गई। साथ ही मन लगाकर पढने के लिए मार्गदर्शित भी किया। जिले के अधिकारियों द्वारा भी भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत विभिन्न आवंटित शालाओं में जाकर निरीक्षण कर बच्चों को अध्यापन तथा अपने अनुभव के आधार पर गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जनसहयोग से कुएं के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ

बड़वानी। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा सवर्धन अभियान के तहत जल संचनाओं की साफ-सफाई एवं उन्हें सहेजने का कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को कलेक्टर गुंचा सनोबर राजपुर विकासखंड के भ्रमण के दौरान जुलवानिया स्थित मीठे कुएं का निरीक्षण कर इसके जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया। ज्ञात है कि इस कुएं से ही ग्रामीणों को पेयजल की

आपूर्ति की जाती है जो ग्राम का एक मुख्य जल स्त्रोत है। जिसे जीर्णोद्धार की आवश्यकता है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनभागीदारी एवं जनसहयोग से जल संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान राजपुर एसडीएम जितेन्द्र पटेल, राजपुर तहसीलदार गणपतसिंह डावर, राजपुर जनपद पंचायत सीईओ बीएस चौहान, जनप्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया राजपुर विखं के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण

बड़वानी। कलेक्टर गुंचा सनोबर ने शुक्रवार को राजपुर विकासखण्ड के भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम ग्राम सालखेड़ा स्थित गौशाला का निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के संबंध में चर्चाकर जानकारी ली। इसके उबाद ग्राम ओझर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यालय प्राचार्य एवं शिक्षकों से विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा कर परीक्षा परिणाम, सुरक्षा व्यवस्था और शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर कम्प्यूटर लैब, बायोलाजी लैब, स्मार्ट क्लास और अन्य का निरीक्षण भी किया। साथ ही विद्यार्थियों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना।

कलेक्टर द्वारा ओझर स्थित निमाड़ फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड का भी निरीक्षण कर एफपीओ के सदस्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों आर्गेनिंग फार्मिंग, वर्मी कम्पोस्ट, खाद, बीज एवं अन्य के

संबंध में चर्चा की गई। एफपीओ की एक महिला सदस्य ने बताया कि उनका जीवन एफपीओ से जुड़कर पहले से बेहतर हुआ है। जहां पहले वह घर की चार दीवारी से बाहर नहीं निकल पाती थी, अब वह स्वयं दूसरी महिलाओं को भी इस ओर प्रेरित कर रही है।

एनजीओ आसा (एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट) ने बताया कि वे 2008 से इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, पिछले 3 साल से जैविक खेती के संबंध में भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। साथ ही वाटरशेड के क्षेत्र में भी कार्य करते हैं। यह एनजीओ एफपीसी के माध्यम से किसानों को डोर स्टेप तक बेहतर मार्केटिंग सुविधा पहुंचाते हैं। पिछले वर्ष कपास के क्षेत्र में अच्छी खरीदी हुई थी, वहीं इस वर्ष इनका प्रयास गेहूं एवं मक्का की खरीदी को भी सुदृढ़ करने का है।

अंत में कलेक्टर द्वारा नागलवाड़ी स्थित प्रसिद्ध बाबा भिलटदेव के दर्शन कर मंदिर की व्यवस्थाओं एवं श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में भी चर्चा कर जानकारी ली गई। इस दौरान राजपुर एसडीएम जितेन्द्र पटेल, राजपुर तहसीलदार गणपतसिंह डावर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

1956-57 के रिकॉर्ड से उपजी नामांतरण की समस्या पर

रतलाम। वर्ष 1956-57 के रिकॉर्ड से नामांतरण में आ रही समस्या का समाधान हो गया है। राजस्व विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में रतलाम कलेक्टर को आदेश जारी किए हैं जिनमें उन्हें 1956-57 में शासकीय भूमि एवं वर्तमान में निजी मद के आधार पर नामांतरण प्रकरणों के संबंध में भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।झ कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप नामांतरण की इस समस्या के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं। वे इस विषय को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संज्ञान में लाए थे और उससे पूर्व राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा से चर्चा की थी। उन्होंने मुख्य सचिव एवं राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को भी जल्द समाधान करने को कहा था। श्री काश्यप ने गुरुवार को पुन~ प्रमुख सचिव से चर्चा की, प्रमुख सचिव के कलेक्टर से जानकारी लेने के पश्चात् आदेश जारी कराए। इन आदेशों के मुताबिक कलेक्टर अपने स्तर पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत योग्य कार्यवाही करेंगे। गौरतलब है कि रतलाम में 1956-57 के रिकार्ड उपलब्ध नहीं होने से नामांतरण प्रकरणों में समस्या आ रही थी।

मां गढखंखाई जाने वाले भक्तों को शरबत वितरण किया जाएगा

रतलाम। जय श्री महांकाल मित्र मंडल डोंगरे नगर द्वारा चौथे वर्ष भी मां गढखंखाई के दरबार में जाने भक्तों का स्वागत ठंडा शरबत वितरण कर किया जाएगा। ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि नवरात्रि की सप्तमी को पैदल एवं वाहन से सैकड़ों भक्त माता के दर्शन को जाते है इस वर्ष भी वन विभाग कार्यालय के सामने भक्तों को शाम 7 बजे से ठंडा शरबत वितरण किया जाएगा।

धोलावाड़ व मोरवानी फिल्टर प्लांट का निगम आयुक्त द्वारा निरीक्षण

रतलाम। ग्रीष्म ऋतु में नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो तथा इस कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो इस हेतु निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट ने निगम अधिकारियों के साथ धोलावाड़ व मोरवानी फिल्टर प्लांट का निरीक्षण 2 अप्रैल बुधवार को कर संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट ने निरीक्षण के दौरान जलप्रदाय विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पेयजल वितरण से संबंधित सभी तकनीकि संसाधन चालू अवस्था में रहे इस बात का विशेष ध्यान रखा जायें ताकि पेयजल वितरण के किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो। उन्होने निर्देशित किया कि पेयजल के अपव्यय को रोकने हेतु लीकेज दुरस्त करें ताकि व्यर्थ पानी ना बहे साथ ही नागरिकों को भी पेयजल का अपव्यय रोकने हेतु जागरूक करें। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री राहुल जाखड़, सहायक यंत्री सुहास पंडित, उपयंत्री भैयालाल चौधरी, ब्रजेश कुशवाहा, अनुपम मिश्रा के अलावा जितेन्द्र सिसोदिया, नीरज यादव, मोहन सहित अन्य उपस्थित रहे।

रामनवमी व महावीर जयंती पर पशु वध करना, मटन विक्रय प्रतिबंधित रहेगा

रतलाम। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार 6 अप्रैल रविवार को रामनवमी व 10 अप्रैल गुरूवार को महावीर जयंती पर नगर सीमा में स्थित समस्त पशु वध गृह एवं मांस विक्रय की दुकानों पर पशुवध करना, मटन, गौश्त विक्रय करना अथवा बेचना निषेध किया गया है। निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट ने संबंधित स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि उक्त दिवस को पशु वध करते या मटन गौश्त विक्रय करते पाया जाये तो संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाये।

एम. ए. राजनीति विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त कुलदीप सम्मानित

रतलाम। कुलदीप सिंह सिसोदिया माता श्रीमती नंदा भरत सिंह सिसोदिया को एम ए राजनीति विज्ञान विषय में प्राविण्य सूची में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। विक्रम विश्वविद्यालय के सभागार में यह समारोह सम्पन्न हुआ। आप पी एम सी ओ ई, शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रतलाम के राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थी हैं। विभाग अपने विद्यार्थी कि इस उपलब्धि पर गर्वित है। कुलदीप ने इस उपलब्धि का श्रेय विभाग के श्रेष्ठ प्राध्यापकों एवं परिजनों को दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ भावना देशपांडे, डॉ वाय के मिश्रा, डॉ व्ही शास्त्री, डॉ एस एस मौर्य, डॉ स्वाति पाठक, डॉ आर्य, डॉ इंदु कटारिया, पूनम चौधरी, डॉ श्वेत टेवानी एवं डॉ भारती लूनावत सहित महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी।

ई-उपार्जन पोर्टल पर तुअर फसल का उपार्जन 20 अप्रैल तक

रतलाम। जिले के किसान ई-पोर्टल पर रबी मौसम 2024-25 में तुअर फसल के पंजीयन करवाकर शासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ ले सकते हैं। किसान तुअर फसल का पंजीयन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत में स्थापित सुविधा केन्द्रों, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों तता सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र एवं एम.पी. किसान एप आदि पर भी पंजीयन की निन्शुल्क व्यवस्था है। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि श्रीमती नीलमसिंह चौहान ने बताया कि तुअर फसल का पंजीयन जिले के निर्धारित 6 पंजीयन केन्द्रों विपणन सहकारी संस्था मर्यादित आलोट, प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित ताल, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति धराड, प्राथमिक सहकारी संस्था भीमाखेडी जावरा, प्राथमिक सहकारी समिति उपलई तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कछालिया पर कार्यालयीन समय में ई-उपार्जन पोर्टल पर निन्शुल्क पंजीयन करवा सकते हैं। किसान के विगत वर्ष के पंजीयन में उल्लेखित आधार नम्बर, बैंक खाता, मोबाइल नम्बर में किसी प्रकार के परिवर्तन, संशोधन की आवश्यकता होने पर संबंधित दस्तावेज स्वरुप पंजीयन केन्द्र पर लाना होंगे। जिन किसानों द्वारा विगत रबी एवं खरीफ में पंजीयन नहीं कराया गया था एवं ई-उपार्जन पोर्टल पर उनका डाटाबेस उपलब्ध नहीं है, ऐसे किसानों को समिति स्तर पर पंजीयन हेतु आधार नम्बर, बैंक खाता, मोबाइल एवं निर्धारित प्रारुप में आवेदन पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराना होगा। तुअर फसल के पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है।

बाजार बैठक वसूली का नियम विरुद्ध प्रस्ताव निरस्त करें

कांग्रेस बाजार बैठक वसूली के खिलाफ आंदोलन करेगी

रतलाम।

बाजार बैठक का प्रस्ताव नगर निगम अधिनियम की धाराओं के विपरीत है, मेयर इन काउंसिल द्वारा 4 मार्च 25 को स्वीकृत प्रस्ताव क्रमांक 135 का कार्य सूची में उल्लेख न करना परिषद की अवमानना तथा जनता से छल कपट और धोखाधड़ी है।

कांग्रेस नेताओं ने निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट को इस संदर्भ में चर्चा करने के बाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक पारस सकलेचा, नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा, उपनेता प्रतिपक्ष कमरुद्दीन कछवाय, वरिष्ठ पार्षद यास्मीन शेरानी, सलीम मोहम्मद बागवान, वसीम अली, रजनीकांत व्यास, हितेश पेमाल तथा शाकिर खान उपस्थित थे।

पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने चर्चा में कहा कि राजपत्र क्रमांक 25 दिनांक 20 जुलाई 2025 के नियम 19 में लिखा है कि कोई भी नया प्रस्ताव कार्य सूची में उल्लेखित विषय के संबंध में ही दिया जा सकता है, जबकि बाजार बैठक वसूली का महापौर द्वारा पेश मौखिक प्रस्ताव किसी भी विषय से संबंधित नहीं है।

सकलेचा ने कहा कि 4 मार्च को एमआईसी से स्वीकृत प्रस्ताव को एजेंडे में शामिल नहीं करना तथा उसे मौखिक रूप से पेश करना, सोची समझी साजिश तथा बहुत बड़ा षड्यंत्र है। महापौर द्वारा वर्ष 2024-25 के बजट सत्र में भी इसी प्रकार से 750 ट्यूबवेल की मोटर का विद्युत बिल लगभग 9 लाख प्रतिमाह मोहल्ला समिति से वसूलने का प्रस्ताव पारित किया गया था।

ज्ञापन में कहा गया कि परिषद में महापौर ने कहा कि बाजार बैठक वसूली करना इसलिए आवश्यक है कि 15वें वित्त आयोग ने हमारे 7.50 करोड़ रोक लिए हैं तथा भविष्य में भी अनुदान प्राप्त नहीं होगा, तथा 17000 लोग सड़क पर फुटपाथ पर व्यापार कर रहे हैं। दोनों बिंदु का प्रस्ताव की भूमिका में उल्लेख नहीं होने से स्पष्ट है कि महापौर जी सफेद झूठ बोल रहे हैं।

ज्ञापन में बताया गया की 2025-26 के बजट में 104 मद के आंकड़ों में काफी हेराफेरी है, जो किसी गंभीर आर्थिक अनियमितता की ओर इशारा करती है दिसंबर 2023 में दिखाई गई करोड़ों की आय तीन माह बाद मार्च 2024 में शून्य हो गई। वह करोड़ों की राशि कहां चली गई।

चर्चा में आयुक्त ने कहा कि कुछ धाराओं में कांग्रेस की व्याख्या से वह सहमत नहीं है तथा परिषद में महापौर द्वारा दिए गए कथन, उनके द्वारा कराए गए निजी सर्वे तथा ज्ञान अनुसार हो सकते है। बजट की राशि में विरोधाभास का वे विश्लेषण करेंगे तथा ज्ञापन को अध्ययन के बाद आवश्यक हुआ तो उच्च अधिकारीयों से राय के लिए भोपाल भेज दिया जाएगा।

स्वर्ण नगरी रतलाम में डी. पी. ज्वेलर्स के दूसरे व सबसे बड़े शोरूम का भव्य अनावरण 6 को

रतलाम।

स्वर्ण नगरी रतलाम में मिले स्नेह और विश्वास को डी. पी. ज्वेलर्स अपना दूसरा व सबसे बड़ा शोरूम समर्पित कर रहे हैं। 6 अप्रैल को सागोद रोड, जैन स्कूल के सामने नवनिर्मित शोरूम का भव्य शुभारम्भ राज्य व शहर के सम्माननीय अतिथियों, ज्वेलरी जगत के नामी व्यवसाइयों, मशहूर अदाकारा चित्रांगदा सिंह व डी. पी. परिवार के सभी सदस्यों की उपस्थिति में किया जायेगा।

मध्य प्रदेश व राजस्थान के 10 शहरों में अपनी सफल स्वर्णिम यात्रा के बाद यह उनका 11 वां शोरूम है। यह शोरूम ग्राहकों की पसंद, सहूलियत को ध्यान में रखते हुए और बड़ी संख्या में ग्राहकों से मिले फीडबैक के आधार पर बनाया गया है। यहां अधिक स्पेस, पारम्परिक के साथ मॉडर्न और अपडेटेड फैशन ज्वेलरी कलेक्शन, कम समय में ज्वेलरी शॉपिंग, फैमिली के साथ इत्मीनान से शॉपिंग, एक्सपर्ट एडवाइस के साथ अद्भुत शॉपिंग अनुभव लिया जा सकता है।

रतलाम से शुरू हुए डी. पी. ज्वेलर्स के स्वर्णिम सफर से आज 30 लाख से अधिक परिवार खुशी-खुशी जुड़ चुके हैं। इसकी नींव 85 वर्षों पूर्व सन् 1940 में स्व. धुलचन्द कटारिया ने रखी। उनके द्वारा शुरू की गई इस परम्परा को परिवार की प्रत्येक पीढ़ी ने बड़ी खूबसूरती से संभाला।

डी.पी. ज्वेलर्स के रतनलाल कटारिया ने बताया, रतलाम के साथ हमारा रिश्ता अटूट है, यह डी. पी. ज्वेलर्स की जन्मभूमि व कर्मभूमि दोनों है। रतलाम के साथ हमने खुद को बढ़ते हुए, उन्नत होते हुए देखा है। यकीन नहीं होता की इस स्वर्णिम सफर को 85 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

स्वर्ण नगरी में शुरुआती दौर में, हमारे पूर्वज स्व. धूलचंद कटारिया ने स्थानीय आभूषण बाजारों में जटिलताओं को करीब से समझा। शुद्धता के प्रति ग्राहकों को जागरूक करने का संकल्प लिया और उन्होंने हॉलमार्क आने से पहले ही शुद्धता के मापदंडों को तय कर लिया था, जो आज अपने आप में इतिहास बन गया है। उनके बाद पन्नालालजी कटारिया ने इसे परम्परा मानकर आगे बढ़ाया।

हमारे समय तक ग्राहकों की पसंद में बड़ा बदलाव आ चुका था। ऐसे में हमने कम्पलीट मार्केट रिसर्च के बाद ग्लोकल अपील वाली डिज़ाइन तैयार की, जो हमारी मुख्य ताकत बनी। रतलाम में दूसरा शोरूम शुरू हो रहा है। यह देखते हुए बहुत गौरवान्वित महसूस होता है, कि स्वर्ण नगरी रतलाम में डी. पी. ज्वेलर्स से पीढियां जुड़ी है। यहां के परिवारों के विश्वास ने हमें उन्हें और भी सुविधायुक्त व उनकी पसंद के अनुरूप शोरूम निर्मित करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह सम्पूर्ण डी.पी. परिवार के लिए उत्सव का क्षण है।

गुलाब चक्कर नए स्वरूप में निखरेगा

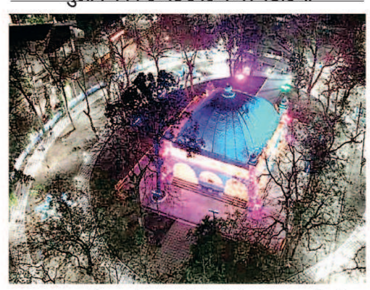

रतलाम। कलेक्टर राजेश बाथम के प्रयासों से रतलाम शहर में कालिका माता मंदिर के समीप पुरातत्व एवं सांस्कृतिक दृष्टि से ऐतिहासिक महत्व वाला गुलाब चक्कर अब नए स्वरुप में निखरेगा। गुलाब चक्कर में लगाई जाने वाली विद्युत रोशनी एवं सुसज्जा आमजन के मन को मोहित करने के साथ-साथ आनन्द का अनुभव प्रदान करेगी। प्राचीन धरोहर का सौंदर्यीकरण कर दो ओपन एयर रेस्टोरेंट का संचालन किया जाएगा। इसके लिए विधिवत् वित्तीय प्रस्ताव भी आमंत्रित कर दिए गए हैं। इन रेस्टोरेंट में सैलानी (पर्यटक) और रतलामवासी पारिवारिक वातावरण में स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। गुलाब चक्कर में मनोरंजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ योग, शारीरिक स्वास्थ्य, खेलकूद आदि के लिए भी नियमित रुप से क्लासेस चलाने की व्यवस्था बनेगी। परिसर में गीत-संगीत कार्यक्रम एवं एकल नाटक, लोक नाटक, साहित्यिक गोष्ठी, खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी, हस्तकरघा प्रदर्शनी, मेला, लाफ्टर शो, कवि सम्मेलन, छाया चित्र प्रदर्शनी, बच्चों के लिए हाबी क्लासेस, शिल्प मेला, फ्लावर शो, समर केम्प आदि के लिए भी अनुमति आधार पर व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। शीघ्र ही परिसर आमजन के लिए खोला जाएगा।

ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु नियंत्रण कक्ष की स्थापना

रतलाम। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीश्मकाल में पेयजल समस्या के त्वरित निराकरण हेतु नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक 07412-270439 है। प्रात~ 8.00 से 10.30 बजे तक श्री लक्ष्मण गरवाल, 10.30 से सायं 5.30 बजे तक श्रीमती चेतना सोलंकी तथा श्री राहुल चौहान (शासकीय अवकाश में) तथा सायं 5.30 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक श्री अशोक धाकड नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था सौंपी गई है। तहसील आलोट के लिए सहायक यंत्री सुश्री प्रियांशा दुबे मो.नं. 87705 20245 तथा उपयंत्री राहुल आर्य मो.नं. 78987 81055, तहसील ताल के लिए उपयंत्री राहुल आर्य मो.नं. 78987 81055, तहसील जावरा के लिए उपयंत्री इरफान अली मो.नं. 94259 37171 तथा तहसील पिपलौदा के लिए संजय मण्डलोई मो.नं. 6260085715 को जिम्मेदारी सौंपी गई है। तहसील रतलाम के लिए सहायक यंत्री नरेश कुवाल मो.नं. 9993899938, उपयंत्री अर्पित चत्तर मो.नं. 9340166238 तथा डी.सी. कथिरिया मो.नं. 7999154725 तथा उपयंत्री सुश्री पूजा भूरिया मो.नं. 97523 03934 को जिम्मेदारी सौंपी गई है। तहसील सैलाना के लिए सहायक यंत्री नरेश कुवाल मो.नं. 9993899938, सुश्री शुभा अर्गल मो.नं. 80856 36995, तहसील बाजना तथा रावटी के लिए उपयंत्री श्री जिग्नेश बामनिया मो.नं. 93998 23610 को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई

रतलाम।

कलेक्टर राजेश बाथम के निर्देशानुसार ग्राम सुराखेडी स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 8 रकबा 0.240 हेक्टेयर व भूमि सर्वे क्रमांक 7 रकबा 1.550 हेक्टेयर भूमि जो कि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में मंदिर श्री कालिका माता के, रतलाम प्रबंधक कलेक्टर, जिला रतलाम म.प्र. शासन के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

उक्त भूमि पर अतिक्रमणकर्ता सईदा बी बेवा अब्दुल हमीद, नि. शैरानीपुरा रतलाम, अशरफ पिता अब्दुल हामिद, नि. शैरानीपुरा रतलाम, सत्तार पिता वकील खां नि, मिल्लतनगर रतलाम, रईसा पति अकरम खां नि. शैरानीपुरा रतलाम के द्वारा गेहूं कि फसल बोकर अतिक्रमण किया गया था। उक्त संबंध में नियम अनुसार कार्यवाही कि जाकर 3 मार्च 2025 को ग्राम सुराखेडी स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 8 रकबा 0.240 हेक्टेयर व भूमि सर्वे क्रमांक 7 रकबा 1.550 हेक्टेयर को अतिक्रमणकर्ताओं से अतिक्रमण मुक्त कराकर श्री कालिका मंदिर के पुजारी श्री हेमंत पिता चण्डीप्रसाद व प्रकाश पिता अमरलालजी के सुपूर्द की गई। उक्त शासकीय भूमि की अनुमानित कीमत नौ करोड़ रूपए है।

उक्त कार्यवाही में राजस्व विभाग की ओर से आशीष उपाध्याय नायब तहसीलदार (पूर्वी भाग), रतलाम शहर, राजस्व निरीक्षक मेहरबानसिंह मालवीय, पटवारी गिरीश शर्मा, मुकेश मरमट, अंकित परिहार, विजय मकवाना व पुलिस विभाग की और से सालाखेडी चौकी प्रभारी मुकेश यादव उपस्थित रहे।

अनीमिया से पीडित दिलीप के हिमोग्लोबिन स्तर में सुधार हुआ

रतलाम।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनवाडी केन्द्र तथा स्कूलों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजना अंतर्गत ग्राम मझोडीया आयुष्मान आरोग्य मदिर रतनगढपीठ अंतर्गत टीकाकरण दिवस पर श्रीमती ममिता खराड़ी एएनएम व श्रीमती तपस्या कटारा कम्युनिटी हेल्थ आफिसर की उपस्थिति में डॉक्टर संध्या तिवारी (आरबीएस के चिकित्सक) को आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपस्थित बच्चों की स्वास्थ्य जांच में दिलीप पिता समरथ डामोर उम्र 5 वर्ष को परीक्षण दौरान हिमोग्लिग्लोबिन कम होना का अंदेशा होने पर उसका हीमोग्लोबिन टेस्ट कराया गया जिसमें दिलीप का हीमोग्लोबिन का स्तर 5.5 ग्राम पाया गया।

दिलीप की अन्य जांचों व कंफर्म हीमोग्लोबिन स्तर का पता लगाने के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजना आशा कार्यकर्ता ललिता डामोर के माध्यम से बुलाया गया जहां पर लेबोरेटरी में जांच कराने पर अन्य जांच सामान्य पाई गई परन्तु हिमोग्लोबिन स्तर 5.5 ग्राम ही पाया गया। इस संबंध में डा. संध्या तिवारी द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी बाजना डॉक्टर हिमांशु राव को अवगत कराया गया। ब्लाक मेडिकल आफिसर द्वारा दिलीप के परिजन को बाल चिकित्सालय रतलाम जाकर रक्ताधान कराने के लिए समझाया गया।

आशा कार्यकर्ता परिवारजन के घर गई जहां दिलीप के परिवारजन द्वारा पारिवारिक कार्य होने से रतलाम जाने के लिए मना कर दिया। आशा कार्यकर्ता ललिता द्वारा डॉ. संध्या तिवारी को इस स्थिति से अवगत कराया गया जहां उनके द्वारा परिवार के सदस्यों से चर्चा करने पर भी जाने से मना कर दिया। पूरी टीम दिलीप के परिवार से सतत संपर्क में थी जिनके प्रयासों से दिलीप का परिवार 4 मार्च 2025 को रक्ताधान करवाने के लिए राजी हुआ। आशा कार्यकर्ता ललिता डामोर दिलीप को लेकर बाल चिकित्सालय रतलाम पहुंची तथा डॉ. संध्या तिवारी को बच्चे के रतलाम आने की सूचना दी गई।

4 मार्च 2025 को सिविल सर्जन डॉ. एम.एस. सागर व जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वर्षा कुरील के मार्गदर्शन, जिला कम्युनिटी मोबाइलजर श्री कमलेश मुवेल व ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. पीयूष धवन के सहयोग से दिलीप का रक्ताधान हो पाया। दिलीप का 8 मार्च को को आरबीएस टीम द्वारा फॉलोअप किया गया जिसमें दिलीप का हिमोग्लोबिन स्तर बढ़कर 9.0 ग्राम हो गया। उसके स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ। दिलीप अब पूर्ण रुप से स्वस्थ है।

गृहकार्यों के साथ सेवा गतिविधियों में भी लेडी लायन क्लब ओजस का उच्चा स्थान : योगेन्द्र रुनवाल

लायंस क्लब जावरा ओजस की अधिकारिक यात्रा पर जावरा पहुंचे डिस्ट्रिक्ट गर्वनर

जावरा। घर परिवार के काम के साथ समाज सेवा और सेवा गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना, पीड़ित मानवता के साथ मुक पशु पक्षियों की सेवा कर लायंस डिस्ट्रिक्ट में अपना अहम स्थान बनाया हैं। सेवा कार्य में जुटी लेड़ी लायन क्लब जावरा ओजस की नारी शक्ति को नमन, आपकी सेवा गतिविधियों से अभिभूत हुं।

यह बात लायंस इंटरनेशनल की डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर योगेन्द्र रुनवाल ने स्थानीय गीता भवन पर लायंस क्लब जावरा ओजस की अधिकारिक यात्रा के दौरान कहीं। गर्वनर विजिट के दौरान अतिथि के रुप में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजेन्द्र गर्ग ने भी संबोधित किया। अध्यक्ष दीपिका सोनी ने स्वागत भाषण दिया। सचिव कविता चौहान ने सचिवीय प्रतिवेदन रखा। आय व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष पुष्पा सोनी ने रखा। क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्यों की जानकारी चार्टर अध्यक्ष रजनी अरोड़ा ने रखी। संचालन साक्षी अरोड़ा ने किया। आभार द्वितीय उपाध्यक्ष राधा राठौर ने माना।

सेवागतिविधि के तहत भेंट किया वाटर कूलर

गर्वनर विजिट का शुभारंभ रेखा रावल की ध्वज वंदना से हुआ। स्वागत गीत वर्षा अरोड़ा ने प्रस्तुत किया। विजिट के दौरान क्लब द्वारा विभिन्न सेवा गतिविधियां की, जिसके तहत स्व. पारस गंगवाल की स्मृति में झमक गंगवाल द्वारा तथा पाटनी ब्रदर्स के पवन पाटनी ने अपनी माताजी की स्मृति में वाटर कूलर डिस्ट्रिक्ट गर्वनर के कर कमलों से लायंस क्लब जावरा के अध्यक्ष डॉ शैलेन्द्र पाण्डेय, सचिव यश जैन, कोषाध्यक्ष गौधा तथा लायंस चिकित्सालय चेयरमेन अनिल धारीवाल, पूर्वाध्यक्ष अशोक सेठिया, घनश्याम रामनानी को प्रदान किया। इस दौरान स्फटिक चार्टर अध्यक्ष सुरेश रांका, स्फटिक अध्यक्ष संतोष राठौर, लायंस क्लब एक्टिव अध्यक्ष पारुल गर्ग भी मौजुद रहे।

सिलाई मशीन व पंखा भी किया भेंट

सेवा गतिविधियों के तहत एक सिलाई मशीन सुनिता जैन, अनिता सर्राफ ने और एक मशीन अनिल गंगवाल ने अपने भाई पारस गंगवाल की स्मृति में क्लब को भेट की, जिसे आजीविका चलाने हेतु दो निर्धन महिलाओं को गर्वनर के हाथों प्रदान की। वर्षा बैरागी के सोजन्य से मठ मंदिर हेतु एक छत पंखा भेंट किया गया। संगीता सोनी और अन्य दानदाताओं के सहयोग से 30 किलो आटा निर्धन महिलाओं को भेंट किया गया। वहीं निर्धन महिलाओं को साड़ियों का वितरण भी किया।

उद्यमी महिलाओं को दिया सम्मान

क्लब सचिव कविता चौहान ने बताया कि विजिट के दौरान क्लब की उद्यमी महिलाओं चंचल गादिया और शीतल मेहता का गर्वनर के हाथों सम्मान करवाया गया। विजिट के साथ ही ढोल की थाप पर क्लब की सदस्याओं द्वारा सामुहिक रुप से गणगौर का उद्यापन भी किया। उद्यापन की व्यवस्थाओं में आशा खारीवाल ने सहयोग प्रदान किया। आयोजन के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रही सुशीला मंडलवारिया, संतोष पुरोहित, ममता सोनी, रजनी सिसौदिया के साथ मेहंदी प्रतियोगिता में चंचल गादिया, वर्षा अरोड़ा, पारुल गर्ग को अतिथियों के हाथों पुरुस्कृत किया गया। लक्की लायन रमा अग्रवाल रही।

भगवान महावीर का जन्म कल्याण महोत्सव को लेकर शुभ मुहूर्त में हुआ पत्रिका लेखन का कार्य

कुमकुम, चावल एवं लच्छा बांधकर किया लेखन कार्य

जावरा। विश्व पूज्य अहिंसा के अवतार भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को नगर में विभिन्न आयोजन के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर पत्रिका लेखन कार्य शुक्रवार को शुभ मुहूर्त में किया गया।

जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष अशोक चोपड़ा ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत नगर में पांच दिवसीय आयोजन होंगे। 4 अप्रैल शुक्रवार को 12.39 पर शुभ मुहूर्त में समाजजन एवं जैन सोश्यल ग्रुप के पदाधिकारी संजय मेहता के निवास पर पत्रिका लेखन का कार्य किया गया।

पत्रिका लेखन के कार्य के प्रारंभ में भगवान महावीर स्वामी के चित्र पर द्वीप प्रचलित कर किया गया। उसेक बाद सभी पत्रिकाओं को थाल में रखकर विधि विधान एवं नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ कुमकुम, चावल एवं लच्छा बांधा गया। गुड़ धनिया की प्रसाद चढ़ाकर भगवान महावीर का जयकारे लगाए गए। उपस्थित पदाधिकारीयों को पगड़ी पहनाकर, तिलक लगाकर, लच्छा बांधा गया। इसके पश्चात नगर के समस्त जैन मंदिर, दिगंबर जैन मंदिर, स्थानक आदि में विराजित परमात्मा, गुरुदेव से कार्यक्रम की सफलता की विनती की गई।

इनकी रही उपस्थिति

पत्रिका लेखन में जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष अशोक चोपड़ा, सचिव कनेश मेहता, कोषाध्यक्ष विमल सिसोदिया, कार्यक्रम संयोजक सुभाष डूंगरवाल,नेमीचंद जैन, संजय मेहता, अशोक डूंगरवाल, सुजानमल कोचट्टा, अशोक औरा, राजकुमार हरण आदि मौजूद थे। पत्रिकाओं को मंदिरों तक पहुंचाने में जैन सोशल ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष धरमचन्द चपड़ोद, चंद्रप्रकाश ओस्तवाल, कमल नाहटा, सर्राफ प्रकाश कांठेड़, बसंतीलाल चपड़ोद, संजय चपड़ोद, प्रदीप सेठिया, सुनील मेहता का सहयोग रहा।

जल गंगा संवर्धन के तहत किया प्याऊ का शुभारंभ

फोटो - 05 - जल मंदिर का शुभारंभ करते हुए।

जावरा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित चित्रांश सामाजिक वेलफेयर सोसाइटी, नगर पालिका एवं लायंस क्लब के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान को दृष्टिगत रखते हुए पिपलोदा रोड़ पर जल सेवा ही प्रभु सेवा हैं को ध्यान में रखते हुए राहगिरों को ठंडा जल उपलब्ध हो सके। इस निमित्त प्याऊ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम कान्हसिंह चौहान, जन अभियान परिषद के विकास खंड समन्वयक युवराज सिंह पंवार, लायंस क्लब कोषाध्यक्ष संजय गोधा, विजय पामेचा, पार्षद शिवेंद्र माथुर, जितेंद्र त्रिवेदी, नीलू माथुर, राजेश चावरे, सौरभ अरोड़ा, अरुण राव, अशोक एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे

पंच दिवसीय महावीर जन्मकल्याण महोत्सव 6 अप्रैल से होगा शुरु

जावरा। श्री संयुक्त जैन महावीर जयंती उत्सव समिति जावरा द्वारा महावीर जयंती के अवसर पर भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याण महोत्सव पांच दिवसीय आयोजन के रूप में आयोजन से 6 से 10 अप्रैल तक धुमधाम से मनाया जावेगा।

समिति अध्यक्ष अभय कोठारी, महासचिव शिखरचंद धारीवाल एवं कोषाध्यक्ष कैलाश बारोड ने बताया कि 6 दिसंबर को स्व.श्रीमती सुशीला देवी धारीवाल की स्मृति में जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई है जिसका विषय वर्तमान समय में भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता रहेगा। 7 अप्रैल को संध्या 7: 30 बजे से पिपली बाजार में जैन सोशल ग्रुप के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं।

8 अप्रैल को चौपाटी क्षेत्र में प्रभात फेरी निकाली जावेगी जो चंदा प्रभु दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर चौपाटी क्षेत्र में भ्रमण करते हुए शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पर समाप्त होगी। 8 अप्रैल को पिपली बाजार में प्रातः 11 बजे झंडा वंदन होगा। दोपहर में सागर साधना सदन सोमवारिया में गवली बनाओं -दीप सजाओ प्रतियोगिता एवं चित्रकला का आयोजन दोप. 2 बजे से होगा। रात्रि में 7:30 बजे स्तवन प्रतियोगिता आयोजित की गई हैं।

9 को प्रभात फैरी, 10 को निकलेगा चल समारोह -9 अप्रैल को प्रातः प्रभात फेरी पंचायती नोहरा से प्रारंभ होकर जावरा नगर में भ्रमण करते हुए सागर साधना सदन में समापन होगा। दोपहर में 2 बजे से रंगोली प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई हैं। शाम 4 बजे वाहन रैली गीता भवन से निकाली जावेगी एवं रात्रि में वीर गुणगान का आयोजन सागर साधना सदन में रखा गया हैं। 10 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर नगर में विशाल चल समारोह पंचायत नोहरा से प्रारम्भ प्रारंभ होकर पिपली बाजार में धर्म सभा के रूप में परिवर्तित होगा। जहां नगर में जैन

साधु साध्वियों के प्रवचन होंगे। रात्रि में सागर साधना सदन में समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम रहेगा।

इन्होने की आयोजन को सफल बनाने की अपील -संस्था संरक्षक मदनलाल धारीवाल, नगीनचंद सकलेचा, धर्मचंद चपडोद,चंद्रप्रकाश ओस्तवाल, उपाध्यक्ष विजय आचलिया, पारस कांठेड़, हिम्मत गंगवाल, राजेश बरमेचा, महावीर छाजेड़, अजय सकलेचा,चल समारोह संयोजक संदीप रांका, सहसंयोजक राहुल ओस्तवाल, राहुल चपडोद, सहसचिव शेखर नाहर, ललित भंडारी, प्रचार सचिव निश्चल पोखरना, रवि दुग्गड, वित्त समिति संयोजक यतिंद्र सकलेचा, केसी जैन, सुमित दसेडा, महिला समिति संयोजक अर्चना करनावट, सहसंयोजक प्रमिला धारीवाल, प्रभात फेरी (चोपाटी) संयोजक अतुल मेहता, वीरेंद्र सेठिया, प्रभात फेरी (शहर) सुभाष टुकड़िया, सुभाष डूंगरवाल, प्रभावना वितरण समिति संयोजक मनीष सकलेचा, सह संयोजक ऋषभ पटवा, प्रभावना निर्माण समिति संयोजक पारस सकलेचा, प्रकाश जैन (पटवारी), प्रशासन समिति संयोजक सुजानमल कोचट्टा, अशोक चोपड़ा, पंडाल समिति संयोजक कमल जैन यति, राजेंद्र धारीवाल, जीव दया समिति संयोजक पुखराज पटवा, अभय सुराणा, झंडा वंदन समिति संयोजक अजय करनावट, आशीष दासोत, प्रश्नोत्तरी समिति संयोजक शशि मेहता, ललित जैन एवं निबंध प्रतियोगिता समिति के सुरेश मेहता, डॉ सीएम मेहता, प्रदीप सेठिया, वर्षा रनवाल, करिश्मा भंडारी, चित्रा ओस्तवाल आदि ने 6 अप्रैल से 10 अप्रैल तक मनाया जाने वाले महावीर जनकल्याणक महोत्सव को सफल बनाने की अपील की हैं।

लक्ष्य बनाने से मिलती सफलता : कुमावत

नप अध्यक्ष कल्पना कुमावत ने कहा कि लक्ष्य बनाने से हर काम में सफलता मिलती है। मेघा ने जिस कार्य को हाथ में लिया उसे लक्ष्य बनाकर पूरा किया जो सराहनीय है।कुमावत ने घोषणा की कि आगामी सत्र के लिए पांचवी एवं कक्षा आठवीं में जो बालिका प्रथम आएगी उसे 1100 रुपयों का इनाम दिया जायेगा। मौजूद अन्य अतिथियों ने भी प्रेरक मेघा को सफलता पर बधाई दी। कुमावत ने इस अवसर पर संस्था प्रधान शेरखान, घनश्याम चौहान, महिला शिक्षिका मिथलेश अवस्थी, सरोज चौहान,किरण जोशी, गोविंद चौधरी तथा पालक व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला

दोपहर 3:30 बजे से होगा मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को चेन्नई सुपर (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जीत के लिए हालांकि सीएसके के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यहां की पिच स्पिनर की सहायक रही है, ऐसे में स्पिनरों की भूमिका अहम रहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव और चेन्नई सुपर किंग्स के पास अनुभवी आर अश्विन हैं। बीच के ओवरों में इन दोनों ही स्पिनरों पर काफी कुल निर्भर करेगा। वहीं अगर बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स के पास फाफ डु प्लेसी, केएल राहुल, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम और कप्तानी अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं।

वहीं दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे पर आधारित रहेगी। अनुभवी बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी इस मैच में भी निचले क्रम पर ही उतरेंगे क्योंकि हाल में टीम के कोच ने कहा था कि वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। ऐसे में शिवम और जडेजा को तेजी से रन बनाने होंगे। टीम के सलामी बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी अब तक तेज गेंदबाजों के सामने सहज नहीं दिखे। पारी की शुरुआत में वह भी वह विफल रहे। दिल्ली की टीम को अनुभवी फाफ डु प्लेसी से लाभ मिल सकता है। इसके अलावा टीम के पास जैक-फ्रेजर मैकगर्क, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल जैसे बल्लेबाज भी हैं।

इस मैच में सीएसके के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन भी अंतर पैदा कर सकते हैं। वह हालांकि अभी तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

टीमें : चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्दार्थ।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव।

कमिंस ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

कोलकाता (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस इस बार आईपीएम में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन से निराश हैं। सनराइजर्स टीम को कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मुकाबले में भी हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कमिंस की चिन्ताएं भी बढ़ गयीं। टीम की लगातार तीसरी हार के बाद कमिंस ने कहा कि हमारा समय ठीक नहीं चल रहा। विकेट अच्छा था पर टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। साथ ही कहा कि हमारी फील्डिंग भी कमजोर रही जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। अब हमें हालातों के अनुसार खेलना होगा। इसके साथ ही ये भी देखना होगा कि पिछले मैचों में हमने कहां गलतियां की हैं। हमारे बल्लेबाज काफी अच्छे हैं, पर हमें सही विकल्प रखने होंगे। पीछे मुड़कर देखें तो शायद हम अलग विकल्प चुन उन्होंने कहा कि हार के लिए हमारी कमजोर फील्डिंग सबसे ज्यादा जिम्मेदार थी हमने कई कैच छोड़े जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। हमारी गेंदबाजी तकरीबन ठीक थी। वहीं अनुभवी स्पिनर, एडम जम्पा के नहीं खेलने पर उन्होंने कहा कि हमने केवल तीन ओवर ही स्पिनरों से कराये क्योंकि द हमारे लिए ग्रिप नहीं कर रही थी। इसलिए हमने जंपा को शामिल नहीं किया था। साथ ही कहा कि अब हमें अगले मैच में अन्य विकल्पों पर भी ध्यान देना होगा क्योंकि हमें अनजान पिचों पर खेलना पड़ रहा है।

रोहित के बचाव में उतरे पोलार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। कीरोन पोलार्ड के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इस आईपीएल सत्र में अबतक असफल रहे मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का बचाव किया है। पोलार्ड ने कहा कि रोहित एक स्टार खिलाड़ी हैं और केवल कुछ मैचों के आधार पर ही उनका आंकलन नहीं किया जा सकता।

रोहित इस सत्र में अब तक एक ही मैच में दो अंकों तक पहुंच पाये हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहले मैच में वह खाता नहीं खोल पाये जबकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वह आठ रन बना पाये। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ वह 13 रनों तक पहुंचे। उनके खराब प्रदर्शन से टीम को नुकसान हुआ है और वह तीन में से दो मैच हारी है। पोलार्ड ने कहा कि मैं अंडर-19 क्रिकेट के जमाने से रोहित के साथ खेल रहा हूं। उनकी कप्तानी में मुम्बई ने पांच बार खिताब जीता है। उन्होंने अलग-अलग हालातों और खेल के अलग-अलग प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने आप में ही दिग्गज खिलाड़ी हैं। वह विपरीत हालातों में भी दबाव में आये बिना आक्रामक खेल खेलते हैं। इस दौरान जरुरी नहीं कि वह हमेशा ही बड़ा स्कोर बना पायें। ऐसे में कुछ मैचों में कम स्कोर के आधार पर फैसला करना सही नहीं हैं।

घरेलू टीमों के अनुसार बनायी जानी चाहिये पिच : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लगी आईपीएल में जहां कई टीमों ने पिच को लेकर सवाल उठाये हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि घरेलू टीमों को अपने अनुसार पिच बनवाने का अधिकार होना चाहिये।

उन्होंने कहा कि यह घरेलू टीमों को मिलने वाले लाभ का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर घरेलू टीम को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे किस तरह की पिच चाहते हैं, उन्हें ये मांग करनी चाहिए, और मुझे लगता उन्हें यह मिलना चाहिए क्योंकि घरेलू लाभ वास्तविक है, और यह केवल दो रूपों में आता है। एक वह पिच जिसे आप चुनते हैं और दूसरा अपने प्रशंसकों का समर्थन। इसके अलावा यह एक दूर का खेल है जो दूसरी टीम को भी मिलता है। चोपड़ा ने का यह भी मानना था कि पिच किसी टीम के प्रदर्शन के लिए सबसे अहम कारक है, यहां तक कि भीड़ के समर्थन से भी ज्यादा। उनका मानना है कि अगर पिच की स्थिति आपके खिलाफ है, तो टीम की पूरी खेल योजना पर पानी फिर सकता है। उन्होंने कहा, सबसे जरुर बात यह है कि वे किस पिच पर खेलने जा रहे हैं। ऐसे में दर्शकों की भीड़ मायने नहीं रखती। साथ ही कहा कि अगर आप पिच को हटा देते हैं, तो मुझे लगता है कि पूरी योजना खराब हो जाएगी।

इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने कहा है कि ईडन गार्डन्स में पिच तैयार करने पर उनकी टीम का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी कहा कि उनकी टीम को घरेलू पिच पर लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि उन्हें हाल के सत्रों में अपने घरेलू पिचों को समझने में परेशानी आई। इसके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच जहीर खान ने भी कहा कि पिच उनके अनुसार नहीं थी।

इस युवा गेंदबाज के सामने टिक नहीं पाते हेड

कोलकाता । यहां के ईडन गार्डन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड एक अनजान से गेंदबाज वैभव अरोड़ा का शिकार बने है। हेड पिछले आईपीएल सत्र के फाइनल में भी वैभव की ही गेंद पर आउट हुए थे। वैभब ने इस बार मैच की दूसरी ही गेंद पर ही हेड को पेवेलियन भेजकर सनराइजर्स की करारा झटका दिया। अरोड़ा ने हैदराबाद की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को अपनी बेहतरी गेंदबाजी से शुरुआत में ही दबाव में ला दिया। आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में केकेआर ने उन्हें 1.8 करोड़ रुपए में खरीदा पर उनका प्रदर्शन उन्हें मिली कीमत से कहीं अधिक रहा है। उनके नाम 3 मैचों में 6 विकेट हैं। हिमाचल की ओर से खेलने वाले वैभव गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराते हैं। अपनी इस गेंदबाजी के कारण वह पावरप्ले और डेथ ओवर्स के खतरनाक गेंदबाज बन जाते हैं। वैभव ने इससे पहले रणजी के अपने डेब्यू मैच में ही चेतेश्वर पुजारा को आउट कर सभी का ध्यान खींचा था। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। वैभव आईपीएल में साल 2020 में पंजाब किंग्स के नेट बॉलर के रूप में दुबई गए थे। इसके अलावा साल 2022 में इस गेंदबाज ने पंजाब किंग्स की ओर से खेला था। वहीं साल 2021 में कोलकाता ने उन्हें पहली बार 20 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन ज्यादा मौके नहीं मिले। 2023 में कोलकाता ने उन्हें एक बार फिर टीम में जगह दी। आईपीएल 2024 में वैभव ने 10 मैचों में 11 विकेट लिए थे।

दोनो हाथों से गेंदबाजी करने वाले आईपीएल इहिहास के एकमात्र गेंदबाज हैं कामिंदू

मुम्बई । आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑफ स्पिनर कामिंदू मेंडिस दोनो ही हाथों से गेंदबाजी करने के कारण सबके आकर्षण का केन्द बने हुए हैं।

उन्होंने ईडन गार्डन में हुए पहले ही मैच में दोनों हाथों से गेंदबाजी करते हुए विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। वह आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले पहले पुरुष गेंदबाज हैं। मेंडिस को टीम ने केवल 75 लाख रुपए में खरीदा पर उनका प्रदर्शन इससे कहीं अच्छा रहा है। वह श्रीलंका की टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलते हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में वह कोलंबो क्रिकेट क्लब में शामिल हैं। मेंडिस ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत अक्टूबर 2018 में टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। इसके बाद से ही वह टेस्ट और एकदिवसीय में भी श्रीलंका की ओर से खेलते रहे हैं। वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते है। उनके नाम कई रिकार्ड भी हैं। मेंडिस टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 8 मैचों में 50 से अधिक रन

बनाने वाले टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने डेब्यू के बाद लगातार 8 टेस्ट मैचों में 50 से अधिक रन बनाए हैं। यह रिकॉर्ड उन्होंने साल 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल टेस्ट में बनाया था।

मेंडिस ने मात्र 13 टेस्ट पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो-दो। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एक शतक लगाया है। इससे वह युवा टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस क्रिकेटर ने 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 74.72 की औसत से 1,184 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 200 रन है। मेंडिस ने अपने टेस्ट करियर में तेजी से 1,000 रन पूरे किए, जिसमें उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता झलकती है। टेस्ट में सबसे तेज 1000 रन बनाने के मामले में उन्होंने डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड बराबर किया था। 19 एकदिवसीय में उनके नाम 353 और 23 टी20 मैचों में 381 रन हैं।

लोकायुक्त की कमजोरी का 'नेताओं' का भी फायदा

सौरभ शर्मा के मददगारों को मिल गई क्लीनचिट

इंदौर। अरबपति धनकुबेर और आरटीओ का पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। गिरफ्तारी के दो महीने बाद विशेष न्यायाधीश आरपी मिश्रा की कोर्ट से जमानत मिल गई है। यह जमानत लोकायुक्त के प्रकरण में मिली है। लोकायुक्त की कमजोरी का फायदा केवल सौरभ शर्मा को ही नहीं बल्कि उसके तथाकथित मददगारों को भी मिल गई है। एक तरह से पर्दे के पीछे रहकर सौरभ शर्मा को काली कमाई का बादशाह बनाने वाले नेताओं को भी क्लीनचिट दे दी गई है।

गौरतलब है कि आय से अधिक संपत्ति से लेकर कई अलग-अलग आर्थिक अपराधों के मामले में सौरभ पर लोकायुक्त पुलिस, ईडी और आयकर विभाग ने कार्रवाई की थी। इसके बाद 28 जनवरी को उसे गिरफ्तार किया गया था। लोकायुक्त पुलिस ने 19 दिसंबर 2024 को उसके घर और जयपुरिया स्कूल की निर्माणाधीन बिल्डिंग में छापा मारा था। इस दौरान सौरभ के दोनों ठिकानों से करीब 50 लाख रुपए से अधिक के जेवर, लाखों रुपए की नकदी और की करीब ढाई क्विंटल चांदी की सिल्लियां मिली थी। वहीं, देर रात को मेंडोरा के जंगल में एक इनोवा कार में करीब 54 किलो सोना और 10 करोड़ रुपये नकदी बरामद हुए थे। यह कार सौरभ के करीबी चेतन सिंह गौर के नाम रजिस्टर्ड थी। बाद में चेतन की भी गिरफ्तारी हुई, वहीं उनके एक अन्य पार्टनर शरद जायसवाल भी गिरफ्तार हुआ। लेकिन तीनों ने इनावों में मिले माल को अपना नहीं माना। सूत्रों का कहना है कि गिरफ्तारी के 60 दिन से ज्यादा समय बीतने के बाद भी लोकायुक्त कोर्ट में चालान पेश नहीं कर सकी है। इस कमजोरी का फायदा सौरभ को मिला है, इसी कारण उसे फायदा मिला है।

नेताओं को बचाने लिखी गई पटकथा

काली कमाई के प्रतीक बने परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के कथित मददगार और उसके पीछे छिपे नेताओं को बचाने जो पटकथा लिखी गई थी, उसी के अनुसार अब उनके चेहरों का दाग दिख नहीं पाएगा। सौरभ शर्मा और उसके साथियों को लोकायुक्त की विशेष कोर्ट से जमानत मिलने के बाद अब आयकर विभाग द्वारा जब्त 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपये नकदी किसकी है, यह रहस्य भी बना ही रहेगा। माना यही जा रहा है कि सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी नेताओं को बचाने के लिए ही लोकायुक्त पुलिस सहित ईडी और आयकर विभाग ने उनका नार्को टेस्ट कराकर सच्चाई सामने लाने का प्रयास नहीं किया। यह जांच की कमजोरी ही कही जाएगी कि तीन जांच एजेंसियां आयकर विभाग, ईडी और लोकायुक्त पुलिस भी पता नहीं लगा पाई कि लावारिस पड़ी कार में रखा 52 किलो सोना और लगभग 11 करोड़ रुपये नकदी का असली मालिक कौन है।

गिरफ्तारी भी सवालों में

सौरभ शर्मा की गिरफ्तारी भी सवालों के घेरे में रही है। सुरक्षित रखने के आश्वासन पर ही सौरभ ने किया था सरेंडर मामला सामने आने के 40 दिन बाद 28 जनवरी को सौरभ शर्मा को लोकायुक्त पुलिस ने नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किया था। इससे एक दिन पहले उसने आत्मसमर्पण के लिए भोपाल जिला न्यायालय के विशेष न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत होकर प्रार्थनापत्र दिया था। इस पर अगले दिन सुबह सुनवाई होनी थी। इसके पहले नाटकीय गिरफ्तारी से स्पष्ट हो गया था कि सौरभ शर्मा और उसके पीछे छिपे चेहरों को बचाने के लिए पटकथा लिख ली गई है। यह संदेह भी सही निकला कि सौरभ ने बेदाग बचाने के आश्वासन पर ही जांच एजेंसियों के सामने मुंह नहीं खोला और सरेंडर भी कर दिया।।

विवेचना में लापरवाही

जानकारों का कहना है कि इस पूरे मामले में लापरवाही बरती गई है। लोकायुक्त पुलिस, ईडी और आयकर विभाग ने विवेचना में लापरवाही बरती। वहीं जानबूझकर नार्को टेस्ट नहीं कराया। पूर्व पुलिस अधिकारियों का मानना है कि जानबूझकर उसका नार्को टेस्ट नहीं कराया गया। लोकायुक्त पुलिस कहती रही कि 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपये नकदी किसकी है, यह प्रमाणित करना आयकर विभाग का काम है क्योंकि उसने ही गाड़ी से यह नकदी और सोना बरामद किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केके मिश्रा ने कहा कि लोकायुक्त पुलिस का यह तर्क अजीबोगरीब है कि मामला गंभीर है। इसलिए सभी दस्तावेज व साक्ष्यों के पूर्ण परीक्षण के बाद अभियोजन की स्वीकृति मिलने पर चार्जशीट पेश की जाएगी।

यह बात अपने दायित्वों के प्रति अयोग्यता या सरकारी दबाव या भारी भरकम भ्रष्टाचार में भी भ्रष्टाचार होने का स्पष्ट संकेत हैं। 60 दिनों की अवधि में चालान पेश करने की बाध्यता के बावजूद लोकायुक्त पुलिस ने कानून की मंशा के विरुद्ध समय पूर्व इस संबंध में तैयारी क्यों नहीं की गई।

मप्र की 90 फीसदी वक्फ संपत्तियां हुई अवैध कब्जे का शिकार

मुस्लिमों ने ही जमाया कब्जा, प्रदेश में 15008 हैं संपत्तियां

इंदौर। केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल को पेश कर पास करा लिया है। इसको लेकर मुस्लिम समाज समर्थन भी कर रहा है और विरोध भी कर रहा है। राजधानी भोपाल में वक्फ संशोधन बिल को लेकर मुस्लिम समाज की महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

इस बिल से वक्फ की जमीन से अवैध अतिक्रमण और कब्जे हटा कर उसको वापस लेने की बात कही जा रही है। मध्य प्रदेश में ही वक्फ बोर्ड की 15008 संपत्तियां हैं। इसमें से 90 प्रतिशत संपत्तियों पर कब्जा हो गया है। इससे वक्फ बोर्ड को उन संपत्तियों से कोई कमाई नहीं हो पा रही है।

भोपाल में प्लेटफॉर्म नंबर-1 की तरफ से सराय के रूप में बड़ी प्रापर्टी है। इससे बोर्ड को कोई इनकम नहीं हो रही है। इस पर कुछ निजी लोगों का कब्जा है। भोपाल टॉकीज के पास बड़ा बाग कब्रिस्तान की जमीन पर बनी दुकानों से बोर्ड को एक रुपए भी किराया नहीं मिल रहा है। इन दुकानों का किराया लाखों रुपए है। मॉडल ग्राउंड स्टेशन रोड पर वक्फ बोर्ड की 15 दुकानें हैं, यहां से भी कोई किराया नहीं मिल रहा है, लोगों ने दादागिरी कर कब्जा कर रखा है। कुछ लोगों ने वक्फ की संपत्तियों को अपनी आजीविका के लिए मामूली राशि को किराए पर लिया और उसको दूसरों को किराए पर देकर हजारों रुपए कमा रहे हैं। यानी वक्फ से 100 रुपए किराये पर लिया और उसको 10 से 20 हजार रुपए दूसरों से किराया वसूल रहे हैं। वक्फ की प्रदेश में पांच हजार हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें से 90 प्रतिशत पर अवैध कब्जा है।

भोपाल में सर्वाधिक वक्फ संपत्तियां

प्रदेशभर में सबसे ज्यादा वक्फ संपत्तियां भोपाल में ही हैं, जहां 4475 संपत्तियां पंजीकृत हैं। इनमें कब्रिस्तान, मुसाफिर खाने, मस्जिदें, कृषि भूमि, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और विभिन्न संपत्तियां शामिल हैं, जिन पर विवाद भी हो चुके हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल का कहना है कि वक्फ बोर्ड की 90 प्रतिशत से अधिक संपत्तियों पर मुस्लिम समाज के लोगों का ही कब्जा है।

साल में होती है दो करोड़ तक कमाई

अभी वक्फ बोर्ड की संपत्तियों से सालाना एक से दो करोड़ रुपए की ही कमाई हो रही है। यदि संपत्तियों से अवैध कब्जा हट जाए तो बोर्ड को 100 करोड़ रुपए सालाना कमाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि उनको केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल से बहुत उम्मीद है। अब यह मामला शासन और प्रशासन की नजर में आया है। इन संपत्तियों से कब्जा हटाया जाएगा। जनकल्याण के लिए इन संपत्तियों को दान किया गया था। इससे होने वाली आय को उसके उद्देश्य। भलाई, परोपकार, गरीब जररूत की मदद और शिक्षा पर खर्च किया जाएगा। अभी इनकम नहीं होने से वक्फ की संपत्तियों को संधारण और संचालन भी ठीक से नहीं किया जा रहा है।

तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन अनुशासनहीनता के घेरे में

इंदौर। तेलंगाना की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने सोशल मीडिया पर पीसीसी संगठन एंव अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ घोर आपत्ति दर्ज कराकर विरोध किया ।

इस मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने कांग्रेस हाईकमान एंव अनुशासन कमेटी को पत्र लिखकर तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ अनुशासनहीनता की कार्यवाही करने के लिए शिकायत की हैं।

सूत्रों के अनुसार मीनाक्षी नटराजन ने अपनी आपत्ति प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी,सह प्रभारी संजय दत्त एंव पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी के समझ न रखकर सीधे सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कांग्रेस को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की हैं।यह कृत्य अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता हैं।अगर बड़े नेता ही खुलकर अनुशासनहीनता करेगें तब कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को क्या संदेश जाएगा।

कांग्रेस के राष्टीय नेता एंव लोकसभा प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी का साफ़ संदेश हैं की बड़े से बड़ा नेता कांग्रेस संगठन से बड़ा नहीं हैं।

मप्र सरकार के खजाने में ढाई लाख करोड़ की धनवर्षा

इंदौर। मप्र सरकार को पिछले साल 2.5 लाख करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इनमें से सबसे ज्यादा राजस्व 4 विभागों ने प्रदेश सरकार की झोली में 82 हजार करोड़ रुपए डाले हैं। सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व जीएसटी और वैट से मिला है। सरकार को जीएसटी व वैट से 55 हजार 500 करोड़ रुपए मिले।

आबकारी विभाग से सरकार की झोली में 15 हजार 200 करोड़ और खनिज विभाग से 10 हजार 228 करोड़ मिले हैं। इसी तरह जमीन की खरीद-बिक्री होने से स्टांप ड्यूटी से सरकार को 12 हजार करोड़ रुपए मिले हैं।

राज्य सरकार ने अब इन विभागों के लिए राजस्व का लक्ष्य और बढ़ा दिया है। अब राज्य सरकार ने वाणिज्यिक कर विभाग को नए वित्तीय वर्ष के लिए 96 हजार करोड़ का लक्ष्य दिया है। इसमें आबकारी विभाग के लिए 17 हजार 500 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है। वहीं जीएसटी से 42 हजार 140 करोड़, वैट से 22 हजार 698 करोड़ और पंजीयन से 13920 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है।

वन विभाग ने राजस्व का बनाया रिकॉर्ड

मप्र के वन विभाग ने भी राजस्व के मामले में इस साल रिकॉर्ड बनाया है। वन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1600 करोड़ से ज्यादा का राजस्व प्राप्त किया। यह वन विभाग का सबसे ज्यादा राजस्व है। वर्ष 2023-24 में वन विभाग को 1425 करोड़ रुपए मिले थे। वन विभाग को राजस्व लकडियों की नीलामी से हुआ है। वन विभाग को इस साल टिम्बर की बिक्री से 850 करोड़ रुपए मिले हैं। इसके अलावा वनों से जुड़े दूसरे उत्पादों और पर्यावरण शुल्क से बाकी राशि प्राप्त हुई है।

वन विभाग ने राजस्व का काम ऑनलाइन किया

वन विभाग ने राजस्व कलेक्शन के काम को डिजिटल किया है। इस वृद्धि को इससे भी जोडक़र देखा जा रहा है। ऑनलाइन चालान से विभाग को 1528 करोड़ रुपए मिले हैं। राज्य सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व खनन क्षेत्र से बढने की है। सरकार को इस साल खनिज विभाग से 10 हजार 228 करोड़ रुपए मिले हैं। सरकार को उम्मीद है कि अगले 5 सालों में ये बढक़र 55 हजार करोड़ से ज्यादा पहुंच जाएगा। इसके लिए प्लेटिनम, ग्लूकोनाइट, हीरे जैसे क्रिटिकल मिनिरल्स को ब्लॉक की नीलामी की जा रही है और नए ब्लॉक को खोलने की तैयारी है।

निगम-मंडलों में नियुक्ति का फॉर्मूला तय!

इस महीने के अंत में शुरू हो जाएंगी नियुक्तियां

इंदौर। मप्र भाजपा संगठन चुनाव के तहत मंडल और जिलाध्यक्षों के चुनाव संपन्न होने के बाद अब सबकी नजर प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव पर है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि निगम-मंडल में राजनीतिक नियुक्ति के लिए जो फॉर्मला तय किया गया है उसके अनुसार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही नियुक्तियां की जाएंगी। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इस महीने के अंत में निगम-मंडल में राजनीतिक नियुक्तियां शुरू हो गई हैं।

गौरतलब है कि मप्र में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति का फैसला पिछले दो महीने आगे खिसकता जा रहा है। अब जल्द ही अध्यक्ष तय होने की संभावना है। प्रदेश में मोहन सरकार 16 महीने का कार्यकाल पूरा करने जा रही है। अभी तक निगम, मंडलों में नियुक्तियां नहीं हुई हैं। जिसकी वजह संगठन चुनाव की प्रक्रिया पूरी नहीं होना है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति का फैसला तीन महीने से केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष विचाराधीन है। जिस पर जल्द ही निर्णय होने की संभावना है। शुरुआत में सरकार मप्र पाठ्यपुस्तक निगम, ऊर्जा निगम, खनिज निगम, नागरिक आपूर्ति निगम, वित्त आयोग, बीज निगम, औद्योगिक संस्थाओं के अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत अन्य विकास प्राधिकरणों में अध्यक्ष। इसके अलावा कुछ मंडल, आयोगों में भी नियुक्तियां मिल सकती हैं।

दावेदार फिर से हुए सक्रिय

प्रदेश में एक बार फिर से संगठन में पदाधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया के बीच निगम, मंडलों, बोर्ड, प्राधिकारियों में भी नियुक्तियों को लेकर दावेदारी शुरू हो गई है। ऐसे नेता जो पिछले विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में टिकट पाने से चूक गए थे, उनकी भोपाल में अचानक सक्रियता बढ़ गई है। इन नेताओं ने भाजपा संगठन पदाधिकारियों से लेकर, मुख्यमंत्री और दिल्ली में भी पार्टी नेताओं से मुलाकात की है। जिसे निगम, मंडलों में नियुक्तियों से जोडक़र देखा जा रहा है। ऐसे में तय माना जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष का फैसला होने के बाद प्रदेश सरकार करीब डेढ़ दर्जन पदों पर नियुक्तियां दे सकती है। जिन्हें निगम, मंडल, प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष की नियुक्ति देकर कैबिनेट या राज्यमंत्री का दर्जा दिया जाएगा। हालांकि इतना तय है कि नए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष द्वारा अपनी प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के बाद ही नियुक्तियों का रास्ता खुलेगा, क्योंकि जिन नेताओं को संगठन में जगह दी जाएगी उन्हें सरकार में नियुक्तियां नहीं मिलेंगी। पिछले विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में भाजपा के कई नेताओं ने टिकट की दावेदारी की थीं। इनमें से कुछ नेताओं को निगम मंडलों में नियुक्तिया दी जा सकती हैं। लोकसभा चुनाव से पहले दूसरे दलों से भाजपा में आने वाले कुछ नेताओं को भी सरकार में नियुक्तियां मिल सकती हैं। इसके अलावा भाजपा संगठन के मौजूदा पदाधिकारी जिन्हें संगठन में कोई नई जिम्मेदारी नहीं मिलेगी, उन्हें भी सरकार में नियुक्ति मिलने की संभावना है।

एक साल से अधूरा कुर्सी का प्रेम

मप्र के निगम-मंडलों में जनप्रतिनिधि 1 साल से राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार बढ़ता ही जा रहा है। भाजपा के कई नेताओं का कहना है, उन्होंने विधानसभा और लोकसभा चुनाव जिताने में कसर नहीं छोड़ी पर इंतजार खत्म नहीं हो रहा। अब तो घर-बाहर से ताने मिलने लगे हैं। बता दें कि मोहन सरकार ने फरवरी 2024 में शिवराज सरकार में की राजनीतिक नियुक्तियां रद्द कर दी थी।

पहले चर्चा थी कि लोकसभा चुनाव 2024 के बाद नियुक्तियां होंगी, पर नहीं हुई। सत्ता-संगठन भी इस पर अभी कुछ कहने से बच रहा है। हालांकि उम्मीद है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पर फैसले के बाद सरकार आगे बढ़ सकती है।

ऐसा भी हुआ, इंतजार करते रह गए नेता

एक साल में नेता निगम-मंडलों में राजनीतिक नियुक्ति का इंतजार करते रहे और जनवरी में वन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) अशोक बर्णवाल को वन निगम का अध्यक्ष बना दिया।

इस निगम में भाजपा के 3 कद्दावर नेता इंतजार कर रहे थे। एक पूर्व वन मंत्री का भी नाम था, हालांकि अभी पूर्व मंत्री के अध्यक्ष बनाने की संभावना खत्म नहीं हुई है। राजनीतिक नियुक्तियों को रद्द करने के बाद स्वत- निगम मंडल के पावर विभागीय आईएएस के पास चले गए।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेक्स एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com